क्वाड देशों ने भारत में चली 'समुदी चाल'... पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

महाभारत युद्ध के तीन किन्नर महारथी... पेज 7

वर्ष 6, अंक 345 | भोपाल, बुधवार 27 मई, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, द्वादशी 2083 | मूल्य 2 रुपए

प्रदेश की सबसे बेहतर सहकारी संस्था हर साल यह कार्यक्रम आयोजित करती है

भेल थ्रिफ्ट सोसायटी का प्रतिभा सम्मान समारोह 31 मई को, उत्कृष्ट छात्र और कर्मचारी होंगे सम्मानित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा 'प्रतिभा सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन आगामी 31 मई 2026, रविवार को किया जा रहा है। यह समारोह पिपलानी स्थित बीएचईएल कल्चरल हॉल में प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभहोगा। कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों, उनके प्रतिभावान बच्चों और भेल के उत्कृष्ट कर्मचारियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में में बीएचईएल भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में बीएचईएल लेडीज क्लब की अध्यक्ष रोजी उपाध्याय तथा बीएचईएल भोपाल के महाप्रचंधक (मानव संसाधन) टीयू सिंह उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष बसंत कुमार व संचालक मंडल के अनुसार, सम्मान समारोह का दायरा बेहद व्यापक रखा गया है, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक, व्यावसायिक और खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों का सम्मान किया जाएगा। स्कूल व कॉलेज में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रैंक पाने वाले, सीबीएसई/आईसीएसई बोर्ड में 90% या उससे अधिक तथा मप्र बोर्ड में 85% या उससे अधिक अंक लाने वाले मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित होंगे। इसके अलावा स्नातक (UG) व स्नातकोत्तर (PG) स्तर पर अंतिम परीक्षा में टॉप-3 रैंक हासिल करने वाले विधार्थियों का सम्मान किया जाएगा। प्रतियोगी परीक्षा में चयनित प्रतिभाएंः IIT (JEE), IIM (CAT), NEET, UPSC (AS/IPS/IFS), State PSC, CA, CS, CMA, NDA, CDS, AFCAT, KVPY, CLAT, NIFT, NID, GATE, NET/JRF, PhD, AIIMS, JIP MER, SSC (CGL, CHSL, MTS), बैंकिंग (IBPS, SBI PO/Clerk), रोहवे (RRB) और CUET जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में चयन पाने वाले छात्र।

क्विज, ओलंपिवाड, चित्रकारी, फोटोग्राफी और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में विशिष्ट अतिरिक्त विधाएं व खेलकूदः राज्य व राष्ट्रीय स्तर के खेलकूद पदक विजेता तथा

उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभागी इसमें शामिल हैं।

भेल कर्मचारी व अधिकारीः भेल में उत्पादन के क्षेत्र में 'राष्ट्रीय पुरस्कार' प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट कर्मचारी, इंटर यूनिट खेलकूद प्रतियोगिताओं के पदक विजेता तथा वर्ष 2024-25 में अपनी बेहतरीन सेवाओं के लिए चुने गए 'बेस्ट वर्कर', 'बेस्ट सुपरवाइजर' एवं 'बेस्ट एग्जीक्यूटिव' को भी इस मंच से विशेष तौर पर सम्मानित किया जाएगा। चिफ्ट सोसायटी के पदाधिकारियों ने सभी संबंधित सदस्यों और प्रतिभागियों से नियत समय पर गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की है।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इंडिगो से निकला धुआं, 230 यात्री सुरक्षित निकाले, जांच शुरू

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी बेंगलुरु

बेंगलुरु के केंपेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया। चेन्नई जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान के टेक-ऑफ से ठीक पहले कॉकपिट और केबिन में अचानक धुआं भर गया। इसके बाद विमान में सवार 230 से अधिक यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित बाहर निकाला गया। हालांकि, इस अफरा-तफरी के बीच सुरक्षित बाहर निकलने की प्रक्रिया (Evacuation) के दौरान दो यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विमान को अगली जांच तक उड़ान भरने से रोक (Ground) दिया है और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

विमानन नियामक डीजीसीए इस घटना की जांच कर रहा है और विमान को जांच के लिए उड़ान भरने से रोक दिया गया है। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और उन्हें टर्मिनल पर ले जाया गया है, जहां विमानन कंपनी के दल उनकी देखभाल कर रहे हैं।

एयरलाइन ने कहा, छब्बीस मई 2026 को बेंगलुरु से चेन्नई जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई 6017 जब उड़ान भरने के लिए रनवे की ओर बढ़ रही थी, तभी विमान में धुआं दिखाई दिया। सुरक्षा के मद्देनजर यात्रियों को तुरंत बाहर निकाला गया और सभी संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि ए321 विमान में 230 से अधिक लोग सवार थे। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में यात्रियों को बाहर निकालने की यह प्रक्रिया ए321 विमान वीटी-आईएमई से की गई थी।

नियामक ने एक बयान में कहा कि विमान को पीछे धकेले जाने (पुशबैक) के बाद जब उसने रनवे पर आगे बढ़ना शुरू किया, तभी कॉकपिट और केबिन में धुआं देखा गया। विमानन की में, पुशबैक का मतलब विशेष ट्रैक्टर द्वारा हवाई जहाज को पार्किंग-बे से पीछे धकेलकर रनवे के रास्ते पर लाना है, क्योंकि विमान में खुद पीछे जाने के लिए रिवर्स गियर नहीं होता।

डीजीसीए ने कहा, क्रू (चालक दल) ने सभी आपातकालीन स्लाइड (एस्केप स्लाइड्स) का उपयोग करके यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस प्रक्रिया के दौरान दो यात्रियों को मामूली चोटें आईं। विमान को जांच और सुधार के लिए उड़ान भरने से रोक दिया गया है। इसके साथ ही नियामक ने कहा कि वह इस घटना की जांच कर रहा है। एयरलाइन ने कहा कि इस उड़ान के संचालन के लिए एक वैकल्पिक (दूसरे) विमान की व्यवस्था की गई है। इंडिगो एयरलाइंस ने घटना के बाद एक आधिकारिक बयान जारी कर कहाः "सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यात्रियों को तुरंत बाहर निकाला गया और सभी संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्हें टर्मिनल बिल्डिंग में ले जाया गया, जहाँ एयरलाइन स्टाफ द्वारा उनकी देखभाल की जा रही है।" एयरलाइन ने यह भी पुष्टि की है कि चेन्नई जाने वाले यात्रियों के लिए एक वैकल्पिक (दूसरे) विमान की व्यवस्था की गई ताकि वे अपनी यात्रा पूरी कर सकें। फिलहाल प्रभावित विमान को ग्राउंडेड कर दिया गया है और तकनीकी खराबी के कारणों की सघन जांच की जा रही है।

UNSC में भारत की पाकिस्तान को दो-टूक चेतावनी

'सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के भुगतने होंगे गंभीर नतीजे'

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के मंच पर भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान के छद्म युद्ध और भारत-विरोधी एजेंडे की धज्जियां उड़ा दी हैं। भारत ने बेहद कड़े और स्पष्ट शब्दों में इस्लामाबाद को चेतावनी दी है कि उसे आतंकवाद को लगातार बढ़ावा देने के गंभीर नतीजों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत परवथनेनी हरीश ने UNSC की एक उच्च-स्तरीय खुली बहस के दौरान पाकिस्तान को यह तीखा संदेश दिया। यह बहस मुख्य रूप से 'संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने' तथा 'संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतरराष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करने' पर केंद्रित थी।

इस उच्च-स्तरीय मंच पर बोलते हुए, राजदूत हरीश ने पाकिस्तान पर लगातार चरमपंथी तत्वों को पालने-पोसने और भारत को निशाना बनाने वाले सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत के पास ऐसी आक्रामकता से खुद का बचाव करने का हर संप्रभु अधिकार सुरक्षित है। इस बात पर जोर देते हुए कि पाकिस्तान के कदम वैश्विक शांति को कमजोर करते हैं, उन्होंने घोषणा की, "पाकिस्तान को यह स्वीकार करना होगा कि सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के उसके कृत्यों के गंभीर परिणाम होंगे।" उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद को बढ़ावा देने, कट्टरता फैलाने और भारत-विरोधी दुष्प्रचार करने की पाकिस्तान की रणनीति उसके जन्म के समय से ही चली आ रही है। हरीश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे पाकिस्तान का पुराना सिद्धांत - "हजारों घाव देकर भारत को लहूलुहान करना" (bleeding India by a thousand cuts) - संयुक्त राष्ट्र चार्टर का समर्थन करने के उसके दावों की पोल खोल देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के बार-बार किए गए युद्ध, बिना किसी उकसावे के की गई आक्रामकता और लगातार जारी आतंकी अभियान संप्रभुता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का यह कड़ा रुख तब सामने आया, जब पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के संबंध में एक और भड़काऊ टिप्पणी की थी। इससे पहले, भारत ने चीन और पाकिस्तान द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के संबंध में किए गए उल्लेखों को सिरे से खारिज कर दिया था।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बाहरी पक्ष को इन क्षेत्रों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारत, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) से जुड़े क्षेत्रों पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे को वैध ठहराने के प्रयासों का कड़ा विरोध करता है, और यह स्थिति पाकिस्तान तथा चीन, दोनों को कई बार स्पष्ट रूप से बता दी गई है।

राजदूत हरीश ने यह भी बताया कि स्वतंत्र भारत ने अपनी यात्रा की शुरुआत पाकिस्तान की ओर से होने वाले सीमा-पार हमलों का मुकाबला करते हुए की थी। पाकिस्तान उन क्षेत्रों पर कब्जा करना चाहता था, जो कानूनी रूप से भारत का हिस्सा बन चुके थे। उन्होंने इस बात को दोहराया कि पाकिस्तान को आतंकवाद के सभी रूपों को स्थायी रूप से समाप्त करना चाहिए और राज्य की नीति के औजार के रूप में कट्टरपंथी समूहों के इस्तेमाल को बंद करना चाहिए।

भोपाल में शरद जोशी को समर्पित व्यंग्य गोष्ठी आयोजित, साहित्यकारों ने कसे तीखे तंज

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भोपाल इकाई के तत्वावधान में आयोजित व्यंग्य गोष्ठी मूर्धन्य साहित्यकार एवं प्रख्यात व्यंग्यकार शरद जोशी को समर्पित रही। कार्यक्रम में साहित्यकारों एवं व्यंग्यकारों ने समकालीन सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विसंगतियों पर तीखे व्यंग्य प्रस्तुत किए।

गोष्ठी की अध्यक्षता परिषद की वर्तमान अध्यक्ष और उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि,

"व्यंग्य केवल हँसाने की विधा नहीं, बल्कि समाज की विसंगतियों को आईना दिखाने वाली गंभीर साहित्यिक चेतना है। शरद जोशी ने अपने लेखन के माध्यम से आम जनजीवन की विडंबनाओं, राजनीतिक विरोधाभासों और सामाजिक विस्थापन को अत्यंत सहज, तीक्ष्ण और मानवीय दृष्टि से अभिव्यक्त किया। उन्होंने भाषा को जनभाषा बनाया और व्यंग्य को साहित्य की केंद्रीय विधा के रूप में प्रतिष्ठित किया।"

मुख्य अतिथि डॉ. कुमार सुरेश ने अपने व्यंग्य पाठ "मेरी हंडिया में लागा चोर" के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने सभी व्यंग्यकारों की प्रस्तुतियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि व्यंग्य समाज को दिशा देने वाली सशक्त विधा है।

बीज वक्तव्य देते हुए परिषद की महामंत्री सुनीता यादव ने कहा कि शरद जोशी के व्यंग्य लेखन की सबसे बड़ी विशेषता उनकी "इम्प्रूवाइजेशन कला" थी। वे किसी साधारण शब्द, स्थिति या घटना से ऐसी असंभव संभावनाएँ निकालते थे कि पाठक उनकी रचनात्मकता में पूरी तरह डूब जाता था। उन्होंने कहा कि पेट्रोल संकट, नेता का ता गुमना और आसनसोल जैसी रचनाएँ उनके अद्भुत व्यंग्य कौशल का उदाहरण हैं। व्यंग्य उनके लिए सांस लेने जितना सहज और आवश्यक था। वे जिन मूल्यों के लिए लिखते थे, उन्हीं मूल्यों पर जीवन भी जीते रहे।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ व्यंग्यकार गोकुल सोनी ने किया। सरस्वती वंदना अंशु वर्मा तथा परिषद गीत श्रद्धा यादव ने प्रस्तुत किया।

गोष्ठी में विभिन्न रचनाकारों ने अपने व्यंग्य पाठ प्रस्तुत किए।

सुदर्शन सोनी ने पढ़ा,

"हर नुक्कड़ पर एक पान की व एक दाँत की दुकान है।"

विवेक रंजन श्रीवास्तव ने "लेखक का चश्मा" शीर्षक से व्यंग्य प्रस्तुत करते हुए कहा,

"लेखक का चश्मा बौद्धिकता का लाइसेंस है, चश्मा चढ़ाते ही आप युगदृष्टा बन जाते हैं।"

अशोक व्यास ने "गधे घोड़ों की सोच से आगे कॉकरोच" शीर्षक से व्यंग्य पाठ किया।

अशोक धमेनियाँ ने "तीन बेर खाती थी वो, तीन बेर खाती हैं" रचना प्रस्तुत की।

उषा चतुर्वेदी ने "खिचड़ी" व्यंग्य के माध्यम से भोजन परंपराओं पर टिप्पणी की।

गौरीशंकर गौरीश ने पढ़ा,

"ये मैले हैं, एमएलए हैं,

इनकी जेबें नहीं थैले हैं।"

सुधा दुबे ने "मुन्नी बदनाम हुई" शीर्षक से व्यंग्य प्रस्तुत किया।

प्रतिभा द्विवेदी ने "नीर पी गयी मछलियाँ, मूस चर गये खेत" शीर्षक से व्यंग्य पाठ किया।

सुरेश पटवा ने व्यंग्य पढ़ा-

"साहित्यिक गोष्ठियों की अनाचार संहिता।"

शारदा दयाल श्रीवास्तव नेता के पत्तों के माध्यम से व्यंग्य रचनापाठ किया।

यशवंत गोरे ने पढ़ा।

तुम मुझे खून दो ,मैं तुम्हें बीमारी।

गोकुल सोनी ने "श्वान को ज्ञापन" शीर्षक से व्यंग्य पढा।

कार्यक्रम में राजेंद्र शर्मा अक्षर, ऋषिकुमार मिश्र, संजय सक्सेना, महेश सक्सेना, मनोज जैन मधुर, बी.एल. गोहिया, राजकुमार बरुआ, रमेश व्यास शास्त्री तथा शारदा दयाल श्रीवास्तव सहित अनेक साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

अब स्थानीय स्तर पर मिलेगी डायलिसिस सुविधा, हेल्थ एटीएम से 102 प्रकार की स्वास्थ्य जांचें होंगी उपलब्ध

सिविल अस्पताल में डायलिसिस यूनिट और हेल्थ एटीएम सेवा का राज्यमंत्री डॉ टेटवाल ने किया शुभारंभ

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने मंगलवार को सिविल अस्पताल सारंगपुर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत अत्याधुनिक डायलिसिस यूनिट एवं हेल्थ एटीएम सेवा का शुभारंभ किया। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के विजन तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में साकार हुई है।इस अवसर पर मंत्री डॉ. टेटवाल ने कहा कि सारंगपुर क्षेत्र के किडनी रोगियों को अब डायलिसिस के लिए इंदौर, भोपाल, उज्जैन अथवा अन्य बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। सिविल अस्पताल में शुरू हुई डायलिसिस यूनिट से मरीजों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं सुलभ उपचार मिल सकेगा, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों की बचत होगी।विशेषज्ञों के अनुसार डायलिसिस मशीन किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने पर रक्त से विषैले तत्वों, अतिरिक्त पानी एवं अपशिष्ट पदार्थों को निकालने का कार्य करती है। यह मशीन मरीज के रक्त को विशेष फिल्टर (डायलाइजर) से गुजारकर उसे शुद्ध करती है और पुनः शरीर में प्रवाहित करती है। इससे किडनी रोगियों को जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध होता है तथा उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार आता है।

हेल्थ एटीएम से मिलेगी त्वरित जांच

सुविधा : सिविल अस्पताल में स्थापित हेल्थ एटीएम आधुनिक डिजिटल स्वास्थ्य तकनीक से लैस है। इसके माध्यम से नागरिकों को 102 प्रकार की स्वास्थ्य जांचें एक ही स्थान पर कुछ ही मिनटों में उपलब्ध होंगी। हेल्थ एटीएम से रक्तचाप, ब्लड शुगर, ऑक्सीजन सैचुरेशन, ईसीजी, तापमान, वजन, बीएमआई, हीमोग्लोबिन सहित अनेक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मानकों की जांच की जा सकेगी। जांच रिपोर्ट डिजिटल रूप में तत्काल प्राप्त होगी, जिससे रोगों की प्रारंभिक पहचान एवं समय पर उपचार सुनिश्चित हो सकेगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का संकल्प : मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का लक्ष्य स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प प्रत्येक नागरिक को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

बड़ी संख्या में उपस्थित रहे जनप्रतिनिधि एवं नागरिक : कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मल जैन, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि नीलेश वर्मा, पार्षद राकेश पुष्पद, मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, सुधीर जैन, श्री आनंद सक्सेना, संजय विजयवर्गीय, कमल राठौर, नगर पालिका के पार्षदगण, रोगी कल्याण समिति के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, सिविल अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

जनता ने जताया आभार : सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों ने डायलिसिस यूनिट और हेल्थ एटीएम जैसी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की सौगात मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों ने इसे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम बताया।

निकायों की सेहत-सुधारने छठे वित्त आयोग की 88 सिफारिशें तैयार

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

नगरीय निकायों और पंचायतों को मदद देने के मामले में मप्र देश में 10वें नंबर पर है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्य अपने राजस्व का 40 से 45% प्रतिशत हिस्सा स्थानीय निकायों को देते हैं, जबकि मप्र अपनी राजस्व आय का 6% हिस्सा यानी 6000 करोड़ रुपए ही हर साल देता है। अब इसे बढ़ाकर 10% यानी 11 हजार करोड़ रुपए तक किया जाएगा।

छठे वित्त आयोग ने जो ड्राफ्ट तैयार किया है, उसमें ये बिंदु शामिल है। आयोग 31 अक्टूबर को पांच साल के लिए अपनी अनुशंसाएं राज्य सरकार को सौंपेगा। मप्र में 413 नगरीय निकाय और 23 हजार पंचायतें हैं। वित्तीय संसाधनों के बंटवारे में 7.75% पंचायतों की और 2.25% नगरीय निकायों की हिस्सेदारी है। सरकार द्वारा पांच साल में दी जाने वाली हिस्सेदारी 50 हजार करोड़ रुपए होगी। इसके अलावा केंद्रीय 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा पर राज्य को स्थानीय निकायों के लिए 56,100 करोड़ रुपए अलग से मिलेगा। इस तरह हर साल मप्र में स्थानीय निकायों के बेहतर प्रबंधन के लिए हर साल 20 हजार करोड़ रुपए की मदद मिलेगी। इस राशि से पानी, सफाई आदि की व्यवस्था की जा सकेगी।

भोपाल नगर निगम : वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 3938.45 करोड़ रु. का बजट पेश किया है। हर वार्ड में 50 लाख खर्च करने का प्रावधान है। लोकल फंड आडिट की रिपोर्ट के मुताबिक नगरीय निकाय की कुल राजस्व प्राप्तियां 2000 करोड़ तक ही हैं।

इंदौर नगर निगम: 2026-27 के लिए 8455 करोड़ रुपए का बजट पेश किया है। यह बजट शहर के विकास, मास्टर प्लान की सड़कों, पानी की आपूर्ति और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है। लेकिन, निगम की समस्त करों से आय 4400 करोड़ रुपए ही है।

ये हैं आयोग की प्रमुख सिफारिशें-

- हर साल दो किस्तों में सरपंचों को 8 लाख रुपए विकास कार्यों के लिए दिए जाएं। जिला पंचायत अध्यक्ष को 70 लाख व जनपद पंचायत अध्यक्ष को 30 लाख तक दिए जाएं।
- हर जगह प्रति व्यक्ति 135 लीटर पानी मिलना चाहिए। अभी उज्जैन में 165 लीटर, इंदौर में 98, ग्वालियर में 123 और कटनी में 110 लीटर है। छोटे शहरों में 50 ली. है।
- जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, बुरहानपुर, रतलाम, सतना व सागर जैसे शहरों में अग्निशमन संसाधनों में कमी है। 50 हजार आबादी पर एक फायर ब्रिगेड होना चाहिए।
- नए निकायों के लिए सीड मनी हो। नगर पालिक निगम में कुल आबादी पर प्रति व्यक्ति 100 रुपए और नगरपालिका में यह 50 रुपए प्रति व्यक्ति जरूरी है।
- कई निकायों में स्थापना व्यय 65% तक पहुंच चुका है। आठवां वेतनमान लागू होने पर इनकी वित्तीय स्थिति और बिगड़ेगी।

राज्य छठा वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया का कहना है कि अभी आयोग का गठन हुआ है, जो जिम्मेदारियां दी गई हैं, उनके हिसाब से काम शुरू हो गया है। अभी काम होना बाकी है। आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा।

बिगड़ती हवा पर एनजीटी सख्त, कहा- सर्दी से पहले 100 दिन का एक्शन प्लान बनाएं

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल की बिगड़ती हवा अब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की चिंता बन गई है। सर्दियों में शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स कई बार 336 तक पहुंचने और हवा के बहुत खराब श्रेणी में आने पर एनजीटी ने मध्यप्रदेश सरकार और नगर निगम को 100 दिन का विंटर एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

ट्रिब्यूनल ने साफ कहा है कि सर्दियों से पहले तैयारी नहीं हुई तो हालात और खतरनाक हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने पीएम 2.5 और धूल के महीन कणों को हार्ट अटैक, स्ट्रोक, डायबिटीज और सांस संबंधी बीमारियों के लिए बड़ा खतरा बताया है। इसके साथ ही एनजीटी ने कचरा जलाने, अलाव, लकड़ी-कोयले के तंदूर और निर्माण स्थलों की धूल पर सख्ती बढ़ाने के सुझाव मांगे हैं।

सिर्फ प्लान नहीं, डेली मॉनीटरिंग कमेटी भी बनाएं एक्शन प्लान में भारी वाहनों की एंट्री नियंत्रित करने, ट्रैफिक चौराहों पर फ्री लेफ्ट टर्न लागू करने और लो-इमिशन जोन बनाने का सुझाव दिया गया है। साथ ही ई-रिक्शा, साइकिल और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की बात कही गई है। एनजीटी ने साफ किया है कि सिर्फ योजना बनाना पर्याप्त नहीं होगा। कार्रवाई की रोजाना समीक्षा के लिए मॉनिटरिंग कमेटी भी बनाई जाएगी। आग-अलाव पर नियंत्रण हो मामले के याचिकाकर्ता राशिद नूर खान ने कहा कि विशेषज्ञों ने खुले में कचरा, पत्तियां, बायोमास और फसल अवशेष जलाने पर पूरी तरह रोक लगाने का सुझाव दिया है। अलाव को भी बड़ी वजह बताया गया। इसके बदले एलपीजी और इलेक्ट्रिक हीटर को बढ़ावा देने की बात कही गई है। होटल, ढाबों और रेस्तरां में लकड़ी-कोयले वाले तंदूर सीमित या बंद करने की भी सिफारिश की गई है। निर्माणों की धूल भी समस्या एनजीटी ने निर्माण और विध्वंस कार्यों से उड़ने वाली धूल को गंभीर समस्या माना है। सुझाव दिया गया है कि सभी निर्माण स्थलों पर ग्रीन नेट लगाना अनिवार्य किया जाए। नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना और शिकायतों के लिए हेल्पलाइन शुरू करने की बात कही गई है। निगम को मशीनीकृत सफाई, वाटर जेट मशीन से फुटपाथ-डिवाइडर धुलाई और नियमित पानी छिड़काव को कहा है।

गरीबो को शुद्ध एवं गर्म भोजन उपलब्ध कराने एवं स्वच्छता और साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के दिये निर्देश

सीएमओ ने किया पंडित दीनदयाल रसोई योजना का आकस्मिक निरीक्षण

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

मंगलवार को नगरपालिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी दीपक कुमार रानवे द्वारा पंडित दीनदयाल रसोई योजना का आकस्मिक निरीक्षण किया । गरीबों और जरूरतमंदों को मिलने वाले सस्ते और पौष्टिक भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण के दौरान सीएमओ रानवे द्वारा भोजन की गुणवत्ता बनाये रखते हुए भोजन आम गरीब नागरिक को शुद्ध एवं गर्म उपलब्ध कराये एवं स्वच्छता और साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए ताकि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े साथ ही पीने के पानी के लिए Ro वॉटर की व्यवस्था के निर्देश दिये ताकि वर्तमान में गर्मी अधिक होने से सभी गरीब व्यक्ति को ठंडा पानी उपलब्ध हो सके। मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा दीनदयाल रसोई योजना के संचालक को कहा गया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जावेगा। निरीक्षण के समय नगरपलिका सारंगपुर स्वच्छता प्रभारी निरीक्षक सतीश कंडारे उपस्थित थे।

खजुराहो सबसे गर्म, नौतपा में 2 दिन गिरा पानी, कल से 3 दिन बारिश का अलर्ट

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मप्र में नौतपा के शुरुआती 2 दिन आंधी-बारिश का दौर रहा। वहीं, 28 मई से लगातार 3 दिन तक प्रदेश के अधिकांश हिस्से में पानी गिरने का अलर्ट है। मौसम केंद्र भोपाल की मानें तो यह प्री-मानसून की दस्तक है। 10 से 16 जून के बाद प्रदेश में मानसून एंट्री कर सकता है। बुधवार को निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में तीव्र लू का रेड अलर्ट है। टीकमगढ़ में रात में पारा बढ़ा हुआ रहेगा। वहीं, ग्वालियर, जबलपुर में तीव्र लू का अलर्ट जारी किया गया है। भोपाल में भी लू चल सकती है। मौसम की डिटेल नीचे बताएंगे, उससे पहले नौतपा के दौरान सेहत का ख्याल रखने वाली ये खबर पढ़ लीजिए... नौतपा में घर से निकलते हुए सावधानः ये 7 चीजें साथ रखें, 11 सावधानियां जरूर बरतें, इन 9 संकेतों को इग्नोर न करें नौतपा के 9 दिनों के दौरान तापमान 40-45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। लोगों को रोजमर्रा के काम, ऑफिस या जरूरी जिम्मेदारियों के कारण बाहर निकलना ही होता है। लेकिन जरा सी लापरवाही से डीहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, थकान, कमजोरी और चक्कर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पूरी खबर पढ़ें इससे पहले मंगलवार को ग्वालियर समेत प्रदेश के 16 शहरों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री या इससे ज्यादा दर्ज किया गया। छतरपुर के खजुराहो और नौगांव लगातार गर्म बने हुए हैं। मंगलवार को खजुराहो में 46.4 डिग्री और नौगांव में पारा 45.6 डिग्री रहा। वहीं, दतिया में 45.2 डिग्री, दमोह, सतना-टीकमगढ़ में 45 डिग्री, रीवा में 44.8 डिग्री, राजगढ़ में 44.6 डिग्री, श्योपुर में 44.4 डिग्री, गुना में 44.3 डिग्री, नरसिंहपुर में 44.2 डिग्री, सागर, मंडला, मुरैना-रायसेन में तापमान 44 डिग्री पहुंच गया।

भारत भवन में सदानीरा समागम आज से, सीएम करेंगे शुभारंभ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल के भारत भवन में बुधवार को 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक उत्सव 'सदानीरा समागम' होगा। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इसमें जल संरक्षण और भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय विमर्श होगा। वीर भारत न्यास द्वारा जल संरक्षण, भारतीय संस्कृति, पंचमहाभूतों तथा सतत विकास के विषयों पर केंद्रित यह आयोजन 2 जून तक चलेगा। जिसमें देश-विदेश के विद्वान, पर्यावरण विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, नीति-निर्माता और कलाकार सहभागिता करेंगे। उद्घाटन समारोह में खेल मंत्री विश्वास सारंग समेत कृष्णा गौर और धर्मेंद्र सिंह लोधी भी मौजूद रहेंगे।

सात दिनी कार्यक्रम में यह होगा वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि इस सात दिवसीय समागम में भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत-जल, पृथ्वी, वायु, आकाश और अग्नि-पर आधारित विभिन्न वैचारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में भूगर्भीय जल स्रोत, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण और पारंपरिक ज्ञान पर देश-विदेश के विशेषज्ञ गहराई से मंथन करेंगे। इस राष्ट्रीय विमर्श में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू), आईआईएम बोधगया जैसी देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं के प्रतिनिधि और विभिन्न कॉर्पोरेट घरानों के सीएसआर प्रमुख भी शामिल होकर अपने विचार साझा करेंगे।

सांस्कृतिक-रचनात्मक आयोजन भी होंगे समागम में वैचारिक मंथन के साथ प्रतिदिन सायंकाल सांस्कृतिक और रचनात्मक आयोजनों की धूम रहेगी, जिसमें नृत्य-नाटिकाएं, लोकगायन और रंगमंचीय प्रस्तुतियां शामिल हैं। इस दौरान भारतीय नौसेना बैंड की सिम्फनी, 'गोवर्धन लीला' और 'गंगा यात्रा' की प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण होंगी।

इसके साथ ही 'जल, जंगल, जीवन' पर केंद्रित राष्ट्रीय जनजातीय चित्रांकन कार्यशाला और पारंपरिक चित्र शैलियों में जल कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देशभर के नामचीन कलाकार हिस्सा लेंगे।

आयोजन स्थल पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय और क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के सहयोग से जलचर जीवन, मध्यप्रदेश के जल गंगा संवर्धन अभियान, लघु चित्रों में जल और भूगर्भीय जल स्रोतों पर आधारित चार विशेष प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी।

पुस्तकों का लोकार्पण होगा कार्यक्रम में जल और संस्कृति पर आधारित महत्वपूर्ण पुस्तकों का लोकार्पण भी किया जाएगा। जिनमें वीर भारत न्यास और मैपकॉस्ट द्वारा प्रकाशित 'अंतर्जली यात्रा', 'पुरोवाक्', प्रेमशंकर शुक्ल की 'आत्मा की घाटी में पानी का संगीत' और राजेश्वर त्रिवेदी की 'जल, संस्कृति और स्थापत्य' शामिल हैं।

इस विशाल आयोजन को सफल बनाने में भारत भवन, मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, जनसंपर्क विभाग, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, यूनाइटेड कॉन्शसनेस, सेज, एलएनसीटी और सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी सहित केंद्रीय भूजल बोर्ड, नर्मदा समग्र जैसी अनेक संस्थाएं और जिला प्रशासन भोपाल सहयोगी के रूप में अपना सक्रिय योगदान देंगे।

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

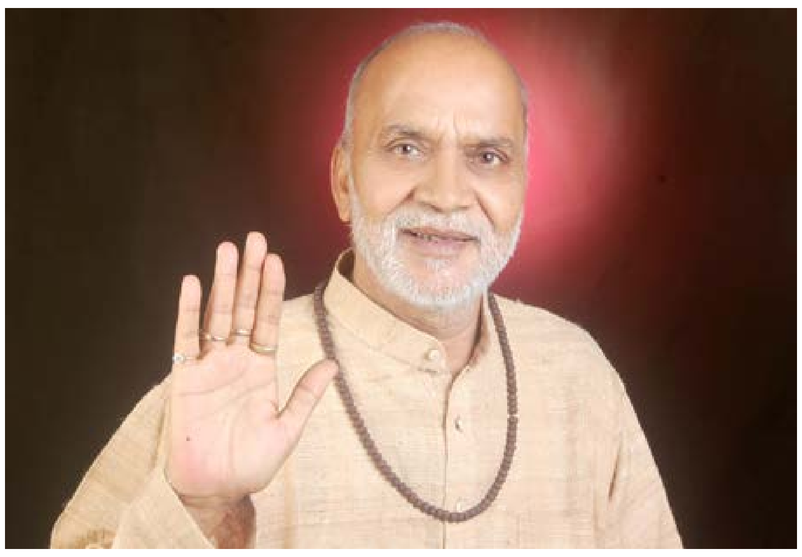

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

यह एक प्रत्यक्ष एवं अत्यंत प्रेरणादायक घटना है, जो पूज्य श्री दादाजी गुरुदेव की दिव्य कृपा, दूरदृष्टि और भक्तों के प्रति उनके अटूट संरक्षण भाव को प्रकट करती है। उस समय दादाजी गुरुदेव पुष्पा नगर, भोपाल में निवास करते थे। उनके दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु, अधिकारी, जनप्रतिनिधि और सामान्य जन निरंतर पहुंचते थे। जो भी उनके चरणों में सच्ची श्रद्धा और विश्वास लेकर आता, दादाजी उसकी पीड़ा को समझकर उचित मार्गदर्शन प्रदान करते थे। उसी समय की यह घटना है। मैं शासकीय कार्य से समय समय पर भोपाल आता जाता रहता था और जब भी भोपाल आता, दादाजी गुरुदेव के दर्शन करना अपना सौभाग्य मानता था। एक दिन मैं दादाजी गुरुदेव के निवास स्थान पर उपस्थित था। उसी दौरान एक वरिष्ठ नेता अत्यंत चिंता और मानसिक व्याकुलता की स्थिति में थे। उन्हें दिल्ली से तत्काल बुलावा आया था तथा गोपनीय रूप से संकेत दिया गया था कि वे अपना त्यागपत्र साथ लेकर आएं। इस सूचना से वे अत्यधिक चिंतित हो गए थे। राजनीतिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा रखने वाले उस नेता के सामने अचानक संकट खड़ा हो गया था। ऐसी कठिन परिस्थिति में उन्हें दादाजी गुरुदेव का स्मरण हुआ। श्रद्धा और विश्वास के साथ उन्होंने दादाजी से मार्गदर्शन की प्रार्थना की। दादाजी गुरुदेव ने बिना किसीऔपचारिकता के उनकी चिंता को समझ लिया। तत्पश्चात दादाजी गुरुदेव और मैं, ज्वाला प्रसाद नामदेव, उनसे मिलने पहुंचे। जब हम वहां पहुंचे तो सुरक्षा में तैनात गार्ड ने सामान्य रूप से पूछताछ की। दादाजी का जीवन अत्यंत सरल और सहज था। वे कभी बाहरी आडंबर या विशेष तामझाम में विश्वास नहीं रखते थे। साधारण वेशभूषा में ही वे सभी के बीच पहुंच जाते थे। गार्ड ने पूछा कि किससे मिलना है। दादाजी ने शांत स्वर में कहा कि नेताजी से मिलना है। गार्ड ने पुनः परिचय पूछा तो दादाजी ने सहज भाव से कहा "नेताजी से इतना कह दीजिए कि जिन दादाजी को वे याद कर रहे थे, वे उनसे मिलने आए हैं।" जैसे ही भीतर यह संदेश पहुंचा, नेताजी स्वयं तुरंत बाहर आए और अत्यंत श्रद्धा के साथ दादाजी गुरुदेव को अंदर लेकर गए। मैं बाहर ही बैठा रहा। कुछ समय पश्चात दादाजी गुरुदेव ने उन्हें स्पष्ट निर्देश दिया कि वे अपने निवास से ठीक दोपहर 12 बजकर 04 मिनट पर ही प्रस्थान करें। दादाजी ने विशेष रूप से कहा कि न उससे पहले निकलना है और न बाद में। समय का पूर्ण पालन करना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि यात्रा सफल होगी और किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। नेताजी ने दादाजी के आदेश को गुरु वचन मानकर पूर्ण श्रद्धा से स्वीकार किया।

अगले दिन वे अपने काफिले के साथ ठीक दोपहर 12:04 बजे निवास से निकले और दिल्ली के लिए रवाना हुए। वहां पहुंचने पर परिस्थितियां पूर्णतः बदल गईं। जिन विषयों को लेकर उन्हें चिंता थी, वे शांत हो गए। उनसे त्यागपत्र नहीं लिया गया, बल्कि अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। जिस संकट की आशंका उन्हें भीतर से विचलित कर रही थी, वह दादाजी गुरुदेव की कृपा से टल गया। रात्रि में भोपाल लौटते ही वे सीधे एयरपोर्ट से दादाजी गुरुदेव के पुष्पा नगर स्थित निवास पहुंचे। भाव-विभोर होकर उन्होंने दादाजी गुरुदेव के चरणों में प्रणाम किया और कहा कि गुरुदेव के आशीर्वाद एवं कृपा से ही वे इस बड़े संकट से सुरक्षित बाहर आ सके हैं। पूज्य दादाजी गुरुदेव सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते थे। उनके लिए कोई छोटा या बड़ा नहीं था। वे केवल श्रद्धा, विश्वास और सच्चे भाव को महत्व देते थे। भक्तों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को वे अपनी दिव्य शक्ति और आशीर्वाद से दूर कर देते थे। उनका जीवन लोक कल्याण, सेवा, करुणा और मानवता के उत्थान के लिए समर्पित था। आज भी असंख्य भक्त यह अनुभव करते हैं कि जो व्यक्ति सच्चे मन से दादाजी गुरुदेव का स्मरण करता है, उसे विपरीत परिस्थितियों में भी अद्भुत साहस, मार्गदर्शन और संरक्षण प्राप्त होता है। दादाजी गुरुदेव की कृपा अनंत है और उनका आशीर्वाद सदैव अपने भक्तों पर बना रहता है।

श्वेतांबर जैन समाज का धार्मिक बाल संस्कार शिविर का समापन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

श्री शकेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय इंद्र विहार कॉलोनी एयरपोर्ट रोड में श्वेतांबर जैन समाज के आठ दिवसीय धर्म संस्कार शिविर का समापन हुआ, जिसमें संस्कृति और संस्कारों को जीवन की प्रतिदिन की क्रियाओं के साथ बताया गया, समाज प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया बच्चों की दिनचर्या सुबह प्रभु के अभिषेक के साथ पूजा अर्चना से होती थी, बच्चों के साथ सभी आयु वर्ग के लोगो ने इन आठ दिनों में डिजटल माध्यम से धर्म के मूल स्वरूप को जानने का प्रयास तो किया साथ भारत की अमूल्य प्राचीन पौराणिक इतिहास को भी समझा, समापन अवसर पर मुख्य रूप से रूप से जैन श्वेताबंर मूर्ति पूजक संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश तातेड कोहैफिजा संघ से प्रदीप लुनिया एवं मीना कोठारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर ट्रस्ट के अध्यक्ष आई एल मेहता ने सभी अतिथियों का अभिवादन किया तथा सभी बच्चों को पारितोषिक स्वरूप पुरस्कार वितरण किया। कार्यक्रम में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ संघ ट्रस्ट के सभी ट्रस्टी एवं महिला मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्वेता तातेड तथा आभार प्रदर्शन शिल्पा कोठारी ने किया। श्रीमती श्वेता तातेड ने बताया महिलाओं के द्वारा महत्वपूर्ण सहयोग किया जिसमें सर्वश्री सुषमा कीमती, मनीषा रामपुरिया ,मिधि मुणोत, ,शिल्पा कोठारी, लीना मेहता, सुधा कोठारी, ममता तातेड, विभा जिंदाणी, ज्योति बाफना शामिल थे।

यूनियन कार्बाइड फैक्टरी के पीछे अन्नू नगर में रेलवे की जमीन से करीब 84 झुग्गियां हटाई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्टरी के पीछे अन्नू नगर में रेलवे की जमीन से करीब 84 झुग्गियां हटाई गई।
यहां से तीन साल पहले भी अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन बाद में झुग्गियां फिर से तन गई। छह महीने में 4200 वर्गमीटर जमीन पर झुग्गियां बनाकर कब्जा कर लिया गया था। प्रशासनिक जांच में पता चला कि कई कब्जाधारियों के पास पहले से मकान और झुग्गियां हैं, लेकिन रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा कर इन्हें 2 से 3 हजार रुपए महीने किराए पर चढ़ा दिया गया। कई झुग्गियों को गोदाम बनाकर फैब्रिकेशन का सामान भरा मिला। नगर निगम और जिला प्रशासन ने जेसीबी चलाकर सभी 84 कब्जे तोड़े। कार्रवाई में रेलवे की करीब 7.5 करोड़ रुपए कीमत की जमीन खाली कराई गई। अधिकारियों के मुताबिक पहले नोटिस दिए गए थे, लेकिन कब्जे नहीं हटे। इसके बाद रेलवे ने प्रशासन की मदद से अतिक्रमण हटवाया। गैस पीड़ित संगठन की रचना ढींगरा ने आरोप लगाया कि बिना पुनर्वास लोगों को हटाना गलत है। उनका कहना है कि पिछली कार्रवाई के बाद भी ज्यादातर परिवारों को स्थायी आवास नहीं मिला। कार्रवाई के दौरान सामने आया कि कई झुग्गियां खुद रहने के लिए नहीं, बल्कि किराए और सामान रखने के लिए बनाई गई थीं।

गंगा दशहरा, अधिकमास एवं चौथे बड़े मंगल पर दादाजी धाम मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन संपन्न

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, पटेल नगर, रायसेन रोड, भोपाल में गंगा दशहरा, अधिकमास एवं चौथे बड़े मंगल के पावन संयोग पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ आयोजित किए गए। मंदिर में माँ गंगा का आकर्षक श्रृंगार एवं विधि-विधान से पूजन संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।
पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गंगा दशहरा के दिन माँ गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। इस दिन स्नान, पूजन, जप, दान एवं आराधना करने से पापों का नाश होकर सुख, शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। वहीं अधिकमास को भगवान विष्णु की उपासना, भक्ति एवं धार्मिक साधना के लिए अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।
चौथे बड़े मंगल के अवसर पर भगवान श्री हनुमान जी को नवीन वस्त्र अर्पित किए गए। विशेष पूजन, चोला अर्पण एवं सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ आयोजित किया गया। सायंकाल महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन एवं संगीतमय आराधना प्रस्तुत की गई, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

ट्विशा शर्मा मौत की मिस्ट्रीः गिरिबाला ने जिन 46 नंबरों पर कॉल की CDR के लिए पुलिस ने पत्र लिखा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल की पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह की बहू ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में अब जांच का फोकस इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल सबूतों पर आ गया है। मंगलवार को पुलिस ने भोपाल कोर्ट में बताया कि घटना से जुड़े मोबाइल नंबरों की सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) और टावर लोकेशन सुरक्षित रखने के लिए टेलीकॉम कंपनियों को पत्र भेजे हैं। यह जवाब ट्विशा के परिजनों की ओर से लगाए गए उस आवेदन पर पेश किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि ट्विशा की मौत के बाद गिरिबाला ने 46 नंबरों पर कॉल किए थे। इनमें कुछ नंबर जजों और जांच एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों के बताए गए थे।
पुलिस ने कोर्ट को बताया कि ट्विशा और समर्थ के मोबाइल फोन समेत इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त कर लिए गए हैं। हालांकि, ये जब्ती भी ट्विशा की मौत के 13 दिन बाद सोमवार रात को की गई, जब सीबीआई दिल्ली में केस दर्ज कर चुकी थी। उसी के बाद पुलिस समर्थ को स्पॉट वैरिफिकेशन के लिए उसके घर लेकर गई थी। एम्स भोपाल से पोस्टमार्टम व शव सुरक्षित रखने की प्रक्रिया से जुड़े फुटेज मालखाने में जमा करा दिए गए हैं। गिरिबाला की अग्रिम जमानत पर आज हाई कोर्ट में सुनवाई
हाई कोर्ट में बुधवार को गिरिबाला सिंह को मिली अग्रिम जमानत निरस्त करने की मांग पर सुनवाई होगी। पहले यह सुनवाई 29 मई को तय हुई थी, लेकिन बाद में तारीख बदलकर 27 मई कर दी गई। ट्विशा के परिजनों से मिली टीम, गिरिबाला से पूछताछ दिल्ली से आई सीबीआई की स्पेशल टीम मंगलवार गिरिबाला के घर पहुंची, उनसे पूछताछ भी की। इसके बाद टीम मिलिट्री एरिया में ठहरे ट्विशा के परिजनों से भी मिली। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस व अन्य साक्ष्यों की केंद्रीय एफएसएल और अपने साइबर सेल से जांच करा सकती है।

मंत्री कृष्णा गौर से मिले से शुभालय विलास के रहवासी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

शुभालाय विलास के रहवासी जो पिछले 51दिनों से शराब की दुकान के विरुद्ध धरना एवं प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने मंगलवार को कृष्णा गौर से पुनः एक बार मुलाकात की जो गोविंदपुरा क्षेत्र की विधायक एवं राज्य मंत्री हैं । सभी निवासियों ने जिन में मुख्यतः महिलाएं शामिल थीं, जो काफी संख्या में श्रीमती गौर से मिलने पहुंची थी उन्होंने अपनी कठिनाइयां एवं दुखो का वर्णन श्रीमती गौर के सामने किया जो वे , शुभालय विलास के सामने शराब की दुकान के कारण अनुभव कर रही हैं। उन्होंने बताया की इस भीषण गर्मी के बाद भी, सभी कॉलोनी वासी धरने एवं प्रदर्शन पर लगातार बैठे हैं और उन्होंने प्रण लिया है की जब तक यह शराब दुकान, शुभालय के सामने से नहीं हटेगी तब तक यह धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। श्रीमती गौर ने सभी निवासियों की बातें अत्यंत सहानुभूति पूर्वक सुनी एवं उसे पर गंभीरता पूर्व विचार करते हुए, उन्होंने आबकारी उप कमिश्नर श्री धाकड़ को भी बुलाया एवं तुरंत प्रभाव से इस समस्या का हल ढूंढने की बात कही । श्री धाकड 10 दिन के अंदर इस समस्या का हल निकालने का आश्वासन दिया एवं इस प्रकार सभी निवासियों को श्रीमती कृष्णा गौर की ओर से भी एक सप्ताह के अंदर इस समस्या का निवारण किए जाने का आश्वासन दिया गया जो की 52 दिनों से आंदोलन कर रहे शुभालाय वासिओं के लिए अपने आप में एक सुखद घटना थी। सभी शुभालय वासियों ने इस हेतु श्रीमती गौर का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

अनिश्चय के काले बादल!

आरबीआई ने राजकोष की मदद के लिए पहले से अधिक उत्साह दिखाया है। वार्षिक लाभांश के अपने पास रखे जाने वाले हिस्से में कटौती करते हुए उसने केंद्र को रिकॉर्ड 2,86,588 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने आगाह किया है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण विश्व अर्थव्यवस्था पर अनिश्चितता के बादल छाये हुए हैं, लेकिन बैंक का दावा है कि भू-राजनीतिक एवं व्यापार संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी आंतरिक शक्ति का प्रदर्शन किया है। आरबीआई की अर्थव्यवस्था की मासिक समीक्षा रिपोर्ट में जाहिर हुई ये समझ चाहे जो हो, परंतु यह साफ है कि उसमें आम इनसान का रोजमर्रा का तजुर्बा शामिल नहीं है। पेट्रोल- डीजल- रसोई गैस के साथ-साथ तमाम चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और बड़ी आबादी ऊर्जा के अभाव का सामना कर रही है। रुपये का भाव रोज गिर रहा है। भारत सरकार का राजकोष दबाव में है। खुद रिजर्व बैंक ने राजकोष की मदद के लिए सामान्य से अधिक उत्साह दिखाया है। वार्षिक लाभांश के अपने पास रखे जाने वाले हिस्से में लगभग एक फीसदी की कटौती करते हुए उसने केंद्र को रिकॉर्ड 2,86,588 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं। इसके बावजूद केंद्र बजट अनुमान के मुताबिक राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.3 फीसदी तक सीमित रख पाएगा, इसकी संभावना कम है। केंद्र और राज्य सरकारें इस वर्ष अधिक ऋण लेंगी, इस संकेत के कारण बॉन्ड मार्केट में ब्याज दर सात फीसदी से ऊपर बनी हुई है। बहरहाल, रिजर्व बैंक के तोहफे से केंद्र को राहत जरूर मिलेगी, मगर वैसी ही राहत राज्य सरकारों या आम परिवारों को उपलब्ध कराने वाला कोई स्रोत नहीं है। केंद्रीय राजकोष भी किस हाल में रहेगा, यह युद्ध की अवधि और अमेरिका की वित्तीय नीतियों पर निर्भर करता है। इन्हीं कारणों से खुद भारत सरकार से जुड़े रहे अर्थशास्त्री मंडरा रही चुनौतियों पर चिंता जता रहे हैं। अतः अपेक्षित है कि सरकारी और स्वायत्त संस्थाएं आंतरिक शक्ति जैसी निराधार कहानियों को और आगे ना बढ़ाएं। आवश्यकता है कि आसन्न संकट के बारे में पूरी जानकारी देश को दी जाए और सबको भरोसे में लेते हुए सुधार के ऐसे उपाय किए जाएं, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरियों का समाधान भी हो। बहरहाल, मौजूदा सरकार के दौर में सबको साथ लेने की ऐसी अपेक्षाओं की जमीन ज्यादा मजबूत नहीं है।

हर चीज साजिश क्यों दिखती है!

भारत में पिछले कुछ वर्षों से हर चीज में साजिश देखने का चलन बहुत बढ़ गया है। कहीं से असहमति की आवाज उठती है या कोई आंदोलन होता है तो उसे तुरंत साजिश बता दिया जाता है। यह तब हो रहा है, जब कथित तौर पर भारत विश्व गुरू हो गया है और कथित तौर पर भारत की आवाज दुनिया में ज्यादा सुनी जाने लगी है। असल में सरकार असुरक्षा बोध से इतनी ग्रस्त हो गई है कि उसे हर चीज में साजिश दिख रही है। उसने एक पूरा तंत्र खड़ा कर रखा है, जिसका काम हर प्रतिरोध या असहमति की आवाज की साख बिगाड़ी जाए और उसे साजिश बताया जाए। तभी कॉकरोच जनता पार्टी को भी सरकार साजिश बता रही है। हालांकि सरकार के सहयोगी चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं की पार्टी कह रही है कि जनता में निराशा और गुस्सा है, जिसे सुना और समझा जाना चाहिए। लेकिन सरकार के लोग साजिश से आगे नहीं बढ़ रहे हैं।

इसलिए कॉकरोच जनता पार्टी के ट्विटर हैंडल को ब्लॉक कराया गया। उसके बाद उसके इंस्टाग्राम को बंद कराने की कोशिश हुई और इसे चलाने वाले लोगों का दावा है कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट को हैक करने की कोशिश भी हुई। सोचें, यह स्थिति तब है, जबकि यह पार्टी नहीं बनी है और न कोई संगठन बना है। यह सिर्फ एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है और उससे ही इतना डर है। इसमें भी विदेशी साजिश देखने वालों में से कई राइटविंग लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा और कई नेताओं ने सार्वजनिक बयान दिए राहुल गांधी पांच राज्यों के चुनावों के बीच गुचपुच तरीके से विदेश गए थे और उसके बाद ही यह अभियान शुरू हो गया। उन्होंने यह सोचना भी जरूरी नहीं समझा कि भारत के चीफ जस्टिस ने कॉकरोच वाला बयान राहुल गांधी के कहने पर नहीं दिया होगा। लेकिन उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से सोशल मीडिया हैंडल बनाए जाने को भी राहुल गांधी की और विदेशी ताकतों की साजिश बताया।

सुवेंदु के लिए सनातन प्रथम!

सुवेंदु की सरकार ने सभी शिक्षण संस्थानों, जिनमें मदरसे भी शामिल हैं उनमें 'वंदे मातरम' का गायन अनिवार्य किया है। ध्यान रहे 'वंदे मातरम' कोई धार्मिक गीत नहीं है और अगर इसमें कुछ धार्मिक संदर्भ हैं भी तो वह बंगाल की संस्कृति से जुड़े हैं। बंकिम चंद्र चटोपाध्याय बांग्ला संस्कृति के प्रतिनिधि थे। उनकी रचना हर शिक्षण संस्थान में गायी जाए और युवा पीढ़ी को उसकी जानकारी मिले यह बंगाल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए आवश्यक है। भारतीय जनता पार्टी जब इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव में उतरी तो उसने दो बातें बहुत स्पष्ट तरीके से कही थी। पहली बात यह थी कि पश्चिम बंगाल का चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है। इसे किसी एक अन्य राज्य के चुनाव की तरह नहीं देखा जा सकता है। भाजपा ने कहा था कि यह वैचारिक लड़ाई है। दूसरी बात यह थी कि इस बार का चुनाव राष्ट्रीय सुरक्षा का चुनाव है। इस तरह पश्चिम बंगाल चुनाव का मूल नैरेटिव हिंदुत्व की वैचारिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा का था। इसके इर्द गिर्द दूसरे नैरेटिव तैयार किए गए और लड़ने व जीतने की रणनीतियां बनाई गईं। इसलिए जब भाजपा चुनाव जीती तो उसे सबसे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के कदम उठाने थे और वैचारिक मुद्दों पर पूरी स्पष्टता के साथ निर्णय करना था। यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि शपथ लेने के दो सप्ताह के भीतर सुवेंदु अधिकारी की सरकार ने दोनों बड़े मुद्दों पर निर्णायक रूप से काम किया है और जरूरी फैसले किए हैं। वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़े निर्णय़ करने के बाद ही सुवेंदु दिल्ली की पहली यात्रा पर गए। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से मिल कर उन्होंने अपनी सरकार के आरंभिक निर्णयों की जानकारी दी। दोनों मुलाकातों में वे आत्मविश्वास से भरे दिखाई दिए और यह भी दिखा कि दोनों शीर्ष नेताओं का उनके प्रति सद्भाव, स्नेह और समर्थन है। अगर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े निर्णयों की बात करें तो सरकार गठन के बाद पहली कैबिनेट बैठक में बांग्लादेश से लगती सीमा पर बाड़ लगाने को लिए सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ को जमीन देने का फैसला हुआ। इसके बाद चिकन नेक के नाम से प्रचलित सिलिगुड़ी के एक क्षेत्र को भी राज्य सरकार ने बीएसएफ के हवाले किया। ध्यान रहे बांग्लादेश की पिछली सरकार के समय कई लोग ऐसे थे, जो चिकन नेक पर कब्जा करने की बात करते थे। दिल्ली दंगों में गिरफ्तार कई कथित छात्र नेताओं ने भी यह बात कही थी। चिकन नेक वह इलाका है, जहां से पूर्वोत्तर के सभी हिस्सों को भारत से बाकी हिस्सों से काटने की साजिश की चर्चा हमेशा होती रही है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार तभी इसे प्राथमिकता में रखती है। कुछ समय पहले ही सिलिगुड़ी में ऐसे एक्सप्रेस वे का उद्घाटन हुआ, जहां प्रधानमंत्री स्वंय सेना के जहाज में बैठ कर उतरे। भारत ने दिखाया कि बुनियादी ढांचे को किस तरह से मजबूत किया जा रहा है। सुवेंदु अधिकारी की सरकार के फैसले केंद्र सरकार की उस प्राथमिकता को ध्यान में रख कर किए जा रहे हैं। वैसे यह भी ध्यान रखने की बात है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को लेकर केंद्र सरकार बहुत गंभीर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ दिन पहले ही बिहार के सीमांचल में कई दिन तक प्रवास किया और सुरक्षा सिनेरियो का अध्ययन किया। उन्होंने अब स्मार्ट बॉर्डर की बात की है और पाकिस्तान व बांग्लादेश से लगती पूरी सीमा की बाड़ेबंदी का संकल्प जताया है। बहरहाल, राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ साथ भाजपा को वैचारिक मुद्दों पर भी त्वरित निर्णय करना था। वैचारिक मुद्दे मूल रूप से भारत की संस्कृति और सनातन से जुड़े हैं। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के शीर्ष नेताओं ने इनसे जुड़े विषयों को लेकर जितने तरह के वादे किए थे उन पर सबको पूरा करने का उत्तरदायित्व सुवेंदु अधिकारी के ऊपर है। उन्होंने शासन की बागडोर संभालते ही उन पर अमल शुरू कर दिया है। सुवेंदु की सरकार ने सभी

शिक्षण संस्थानों, जिनमें मदरसे भी शामिल हैं उनमें 'वंदे मातरम' का गायन अनिवार्य किया है। ध्यान रहे 'वंदे मातरम' कोई धार्मिक गीत नहीं है और अगर इसमें कुछ धार्मिक संदर्भ हैं भी तो वह बंगाल की संस्कृति से जुड़े हैं। बंकिम चंद्र चटोपाध्याय बांग्ला संस्कृति के प्रतिनिधि थे। उनकी रचना हर शिक्षण संस्थान में गायी जाए और युवा पीढ़ी को उसकी जानकारी मिले यह बंगाल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए आवश्यक है। इसके विरोध का कोई कारण नहीं है। लेकिन जैसा की सबको पता है, बांग्लादेश की सीमा से लगते इलाकों में वहाबी कट्टरपंथी मुस्लिम समूह सक्रिय हैं और मदरसों में कट्टरपंथी सिलेबस के हिसाब से पढ़ाई होती है। वहां पीर, फकीर या सूफी वाली संस्कृति नहीं है। तभी हो सकता है कि इस निर्णय का विरोध हो लेकिन सरकार इसके क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। इसी तरह चुनाव के समय भाजपा की ओर से यह वादा किया गया था कि वह सरकार में आई तो उस व्यवस्था को पूरी तरह से बदलेगी, जिसके तहत बहुसंख्यक हिंदुओं को अल्पसंख्यक की तरह रहने को मजबूर किया जाता था। यह बड़ी बात थी, जिसने लोगों के मानस को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उनको समझ में आया कि वे बहुसंख्यक हैं लेकिन तृणमूल सरकार की तुष्टिकरण के कारण उनको अल्पसंख्यक की तरह और अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यक की तरह रखा जा रहा है। इसके कुछ प्रतीक थे, जिनमें एक प्रतीक सड़कों पर नमाज पढ़ने का था। जुमे यानी शुक्रवार को या किसी धार्मिक मौके पर खुली जगह पर या सड़कों पर नमाज पढ़ना शक्ति प्रदर्शन की तरह होता था। इस ऑप्टिक्स के जरिए एक संदेश दिया जाता था। सुवेंदु अधिकारी ने सरकार में आते ही इस ऑप्टिक्स पर रोक लगा दी है। उन्होंने सड़कों पर नमाज बंद करा दिया है। यह अपने आप में बहुसंख्यक हिंदू आबादी के अंदर सुरक्षा की भावना पैदा करने वाला है। इसी तरह का एक प्रतीक अतिक्रमण का था। उसकी भी सफाई शुरू हो गई है। खुद तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता रहे एक नेता ने सियालदह स्टेशन की सफाई के बाद की तस्वीरें सोशल मीडिया में शेयर की। वैचारिक मुद्दों में घुसपैठ का मुद्दा सबसे अहम था, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है और राज्य की जनसंख्या संरचना से भी। सुवेंदु अधिकारी ने बहुत साफ शब्दों में कहा है कि घुसपैठियों की पहचान की जाएगी और उनको अदालत में पेश करने की बजाय सीधे सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ को सौंपा जाएगा। उन्होंने 'डिटेक्ट, डिलिट और डिपोर्ट' यानी 'थ्री डी' का सिद्धांत बनाया है। एक तरफ सीमा पर बाड़ लगाई जा रही है, ताकि घुसपैठियों को भारत की सीमा में घुसने से रोका जाए और दूसरी ओर पहले से घुसपैठ कर चुके लोगों की पहचान करके उनको बाहर करने की तैयारी भी हो रही है। ध्यान रहे एसआईआर की प्रक्रिया के तहत ऐसे लोगों की पहचान काफी हद तक हो गई है। तार्किक विसंगति के आधार पर जिनके नाम रोके गए हैं। उनकी जैसे जैसे जांच हो रही है वैसे वैसे एक सूची तैयारी होती जा रही है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने संशोधित नागरिकता कानून यानी सीएए को पूरी तरह से लागू करने की घोषणा भी कर दी है। इसके तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक प्रताड़ना झेल कर भारत आए गैर मुस्लिमों यानी हिंदू, जैन, सिख, पारसी आदि को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान है। इस प्रक्रिया को तेज किया जाएगा औऱ इस क्रम में मुस्लिम घुसपैठियों की पहचान करके उनको बाहर निकाला जाएगा। चुनाव प्रचार के दौरान वैचारिक मुद्दों में भारतीय जनता पार्टी ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा था कि वह मांस और मछली खाने के विरोध में नहीं है और न सरकार बनने के बाद इस पर रोक लगाई जाएगी। लेकिन गौवध को लेकर भाजपा का रुख हमेशा बहुत स्पष्ट रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल देश के उन गिने चुने राज्यों में है, जहां सख्त कानूनी प्रावधानों के बीच गौवध की इजाजत है। इसके साथ ही सामान्य रूप से भी जानवरों को मारे जाने का एक स्पष्ट नियम है, जिसका बंगाल में कभी पालन नहीं हुआ। जैसा ऊपर कहा गया कि तुष्टिकरण की नीति के तहत अल्पसंख्यकों को कुछ भी करने की इजाजत थी। वे कहीं भी कुर्बानी करते थे। कहीं भी दुकानें खोल कर पशु हलाल करते थे। हिंदुओं की भावनाओं का ख्याल किए बगैर यह सब काम खुले में होता था और कोई भी उन्हें कुछ नहीं कह पाता था। सुवेंदु अधिकारी ने इस चलन को बदलने का निर्णय किया है। उन्होंने बंगाल में लागू 'वेस्ट बंगाल एनिमल स्लॉटर कंट्रोल एक्ट 1950' को सख्ती से लागू कर दिया है। इस कानून के तहत बिना प्रमाणपत्र के किसी भी पशु का वध नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा गौवंश की रक्षा के लिए इसके तहत प्रावधान किया गया है कि उन्हीं पशुओं का वध होगा, जो 14 साल या उससे ज्यादा उम्र के हैं, काम के नहीं हैं, दूध नहीं देते हैं, प्रजनन की क्षमता समाप्त हो गई है और घायल या बीमार हैं। इस कानून को सख्ती से लागू कराने का परिणाम यह हुआ है कि पश्चिम बंगाल के बहुत से इलाकों में खास कर शहरी इलाकों में खुले में पशु वध बंद हो गया है। यह धार्मिक व सांस्कृतिक रूप से एक बड़े समुदाय के लिए संतोषजनक है और साथ ही स्वच्छता व स्वास्थ्य के लिहाज से भी बहुत उचित निर्णय है। सो, सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में बदलाव को गति दे दी है। उन्होंने केंद्र व राज्य के बीच समन्वय के साथ काम करना शुरू किया है और राष्ट्रवाद व हिंदू वैचारिकी से जुड़े विषयों का समाधान भी शुरू कर दिया है। दिख रहा है कि बंगाल के लोगों से किया गया वादा भाजपा पूरा कर रही है।

–एस. सुनील

रुबियो के लिए प्रोटोकॉल ताक पर

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत के दौरे पर हैं। वे 26 मई को क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक करके वापस लौटेंगे। वे जब दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरे तो वहां की तस्वीरें देख कर कई राइटविंग के लोगों ने कहा कि भारत ने औकात बता दी। सिर्फ अमेरिकी राजदूत गए रिसीव करने और भारत सरकार के दो जूनियर अधिकारी पहुंचे थे। सवाल है कि क्या किसी देश का विदेश मंत्री आता है तो विदेश मंत्री या प्रधानमंत्री उसको रिसीव करने जाते हैं? प्रोटोकॉल के तहत ही रुबियो को हवाईअड्डे पर रिसीव किया गया। लेकिन उसके बाद जो हुई वह अभूतपूर्व था। अमेरिकी विदेश मंत्री हवाईअड्डे से निकले और दनदनाते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचे। ऐसा लग रहा है, जैसे वहां प्रधानमंत्री पलक पांवड़े बिछाए उनका इंतजार कर रहे थे। वहां रुबियो ने प्रधानमंत्री के साथ एक घंटे तक दोपक्षीय वार्ता की, जिसके बारे में बताया गया कि ऊर्जा सुरक्षा से लेकर तकनीक, व्यापार और पश्चिम एशिया के संकट के बारे में बात हुई। सोचें, यह प्रोटोकॉल का कितना बड़ा उल्लंघन है कि भारत का प्रधानमंत्री किसी देश के विदेश मंत्री के साथ दोपक्षीय वार्ता कर रहा है? वार्ता में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा

सलाहकार अजित डोवाल भी मौजूद थे। रुबियो के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर और एक उप मंत्री एलिसन हूकर भी मौजूद थीं। आमतौर पर किसी देश का विदेश मंत्री भारत के दौरे पर आता है या भारत के विदेश मंत्री किसी देश के दौरे पर जाते हैं तो उनकी बात अपने समकक्ष से होती है। इस लिहाज से रुबियो की बात जयशंकर से होनी चाहिए थी। विदेश मंत्रियों की दोपक्षीय वार्ता में सारे मुद्दों पर बातचीत की जाती है। जो कूटनीति होनी है या जोड़तोड़ होनी है, जो समझौता या मोलभाव होना है वह उनके बीच होती है। उसके बाद जब दोनों किसी सहमति पर पहुंच जाते हैं तो उसके बाद औपचारिकता के तौर पर प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकात होती है। उस मुलाकात में विदेश मेहमान अपने देश के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति का संदेश प्रधानमंत्री को देते हैं और तस्वीरें खिंचवाई जाती है। कभी ऐसा नहीं होता है कि प्रधानमंत्री किसी देश के विदेश मंत्री के साथ दोपक्षीय वार्ता करे। प्रधानमंत्री तो प्रधानमंत्री के साथ दोपक्षीय वार्ता करेगा। कूटनीति में आमतौर पर ऐसा ही होता है। प्रधानमंत्री चाहे कितने भी छोटे देश का हो, नई दिल्ली आएगा तो प्रधानमंत्री के साथ वार्ता करेगा और विदेश मंत्री चाहे कितने भी बड़े देश का हो वह विदेश मंत्री से ही वार्ता करेगा। लेकिन जरूर कुछ खास होगा तभी सीधे प्रधानमंत्री ने एक घंटे तक बातचीत की। ऐसी भी नहीं है कि रुबियो कोई बड़ा प्रस्ताव लेकर आए हैं। कम से कम सार्वजनिक रूप से तो ऐसा नहीं दिख रहा है। दिल्ली आने से पहले वे कोलकाता गए, जहां मदर टेरेसा के बनाए मिशनरीज ऑफ चैरिटी का दौरा किया। जाहिर है वह अपनी घरेलू राजनीति के लिए किया गया। वे कैथोलिक धार्मिक पहचान बताने में बहुत आगे रहते हैं। हो सकता है कि प्रधानमंत्री के साथ वार्ता में उन्होंने एफसीआरए का मुद्दा उठाया भी हो क्योंकि इस तरह की मिशनरीज को एफसीआरए के जरिए बहुत चंदा बाहर से आता है। जाते जाते औपचारिकता के लिए वे रुबियो क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। सोचें, अमेरिका की पहल पर ही क्वाड बना और फिर खुद उसने इसकी उपयोगिता कम कर दी। पिछले दिनों जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन गए और राष्ट्रपति शी जिनपिंग को महान नेता और अपना दोस्त बना दिया तो समझा जा सकता है कि क्वाड का उनके लिए क्या मतलब है। उसमें भी हैरानी की बात यह है कि चीन जाने से पहले ट्रंप ने जापान की प्रधानमंत्री शाने तकाइची को फोन किया लेकिन भारत को बताने की जरुरत नहीं समझी। उसके बाद रुबियो भारत आकर क्वाड का महत्व समझा रहे हैं!

बुरी दशा भारतीय मेधा की!

एआई के इस दौर में, जहां मशीनें इंसानों की तरह सोचने लगी हैं, इंसानों को उनसे अधिक रचनात्मक और मौलिक बनना होगा। यदि हम राजनीति को संकीर्णता से ऊपर उठाकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में ले जा सकें, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही अर्थों में लागू कर सकें और युवाओं को भयमुक्त वातावरण दे सकें, तो भारत फिर से विश्वस्तरीय वैज्ञानिक, दार्शनिक और मौलिक विचारक पैदा कर सकता है। मेधा किसी भी देश की वह भीतरी ताकत होती है, जो उसे सिर्फ जीवित नहीं रखती, बल्कि दुनिया को दिशा देने योग्य बनाती है। प्राचीन भारत में मेधा का मतलब सत्य और सृजनात्मक बुद्धि से था। इसी मेधा ने उपनिषदों के दर्शन से लेकर शून्य, आयुर्वेद और खगोल विज्ञान जैसे ज्ञान को जन्म दिया। लेकिन आज के भारत में भारतीय मेधा का कमजोर होना एक कड़वी और चिंताजनक सच्चाई बन गया है। आज हमारी बौद्धिक क्षमता डिग्रियों, परीक्षा के अंकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बड़े पैकेजों तक सीमित होकर रह गई है। जब किसी समाज में मौलिक सोच की जगह केवल नकल और रटंत ले लेती है, तब मेधा का पतन तय हो जाता है। यह संकट सिर्फ शिक्षा का नहीं है, बल्कि राजनीति, समाज, युवाओं के मन और नई तकनीकी क्रांतियों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। राजनीति किसी भी देश की दिशा और प्राथमिकताएं तय करती है। दुर्भाग्य से भारत की राजनीति ने मेधा को मजबूत करने के बजाय उसे अपने तात्कालिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया है। देश के बड़े विश्वविद्यालय और शोध संस्थान, जो कभी स्वतंत्र सोच और वैचारिक मंथन के केंद्र हुआ करते थे, आज राजनीतिक अखाड़े बनते जा रहे हैं।

संस्थानों का राजनीतिकरण हो चुका है। कुलपतियों और प्रोफेसरों की नियुक्तियों में योग्यता से अधिक वैचारिक और राजनीतिक निष्ठा देखी जाने लगी है। इससे शिक्षा और शोध दोनों का स्तर गिरा है। राजनीतिक दल लंबे समय के वैज्ञानिक अनुसंधान या बुनियादी शिक्षा सुधार के बजाय ऐसी योजनाओं पर जोर देते हैं, जिनसे तुरंत वोट मिल सकें। यही वजह है कि भारत आज भी शोध और विकास पर अपनी जीडीपी का बहुत छोटा हिस्सा खर्च करता है। आज का राजनीतिक माहौल समाज को पक्ष और विपक्ष में इस तरह बांट चुका है कि निष्पक्ष और

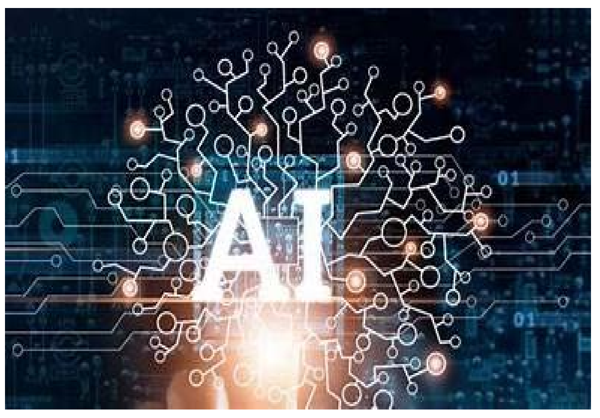

रचनात्मक आलोचना की जगह कम होती जा रही है। जब युवा मन स्वतंत्र रूप से सोचने और सवाल पूछने से डरने लगे, तो वह खुद को सुरक्षित सीमाओं में बंद कर लेता है। डर के माहौल में मौलिक मेधा कभी विकसित नहीं हो सकती। जब योग्यता और प्रतिभा की जगह जाति, धर्म या क्षेत्रीय समीकरणों के आधार पर अवसर बांटे जाते हैं, तो असली प्रतिभा हतोत्साहित होती है। इससे योग्य युवाओं में व्यवस्था के प्रति असंतोष और दूरी बढ़ती है। आज का भारतीय युवा एक गहरे मानसिक और अस्तित्वगत संकट से गुजर रहा है। बचपन से ही उसे सफलता की अंधी दौड़ में धकेल दिया जाता है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्र इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। वहां मेधा को ज्ञान हासिल करने की क्षमता नहीं, बल्कि परीक्षा पास करने वाली मशीन मान लिया गया है। लगातार दबाव के कारण युवा अवसाद, अकेलेपन और आत्महत्या जैसे खतरनाक रास्तों की ओर बढ़ रहे हैं। जो दिमाग हर समय तनाव में हो, वह नई और मौलिक सोच कैसे पैदा करेगा?

असुरक्षा, आर्थिक अनिश्चितता और बेरोजगारी के डर ने युवाओं से जोखिम लेने की क्षमता छीन ली है। आज का युवा विज्ञान, दर्शन या कला में नया रास्ता खोजने के बजाय सुरक्षित सरकारी नौकरी या कॉरपोरेट सेक्टर के ऊंचे पैकेज को ही अंतिम लक्ष्य मानने लगा है। जबकि मौलिकता हमेशा जोखिम मांगती है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया, रील और इंटरनेट के दौर में युवाओं की एकाग्रता तेजी से घट रही है। गंभीर अध्ययन के बजाय वे तुरंत मिलने वाली सतही जानकारी पर निर्भर हो रहे हैं। सूचनाओं की इस बाढ़ ने सोचने की क्षमता को कमजोर किया है और कॉपी-पेस्ट संस्कृति को बढ़ावा दिया है।

आज जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैट जीपीटी और दूसरे जनरेटिव एआई टूल तेजी से फैल रहे हैं, तब भारतीय युवाओं के सामने एक नया और अधिक खतरनाक बौद्धिक संकट खड़ा हो गया है। भारत की आईटी क्रांति मुख्य रूप से कोडिंग, टेस्टिंग और बैक-ऑफिस जैसे तकनीकी कामों के आउटसोर्सिंग पर आधारित थी। यह काम अधिकतर यांत्रिक थे। अब एआई इन्हें कुछ सेकंड में कर रहा है। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार संकट और छंटनी का खतरा बढ़ रहा है। जब युवा अपने असाइनमेंट, प्रोजेक्ट, कोडिंग और यहां तक कि साधारण ईमेल लिखने के लिए भी एआई पर निर्भर हो जाते हैं, तो उनका मस्तिष्क धीरे-धीरे निष्क्रिय होने लगता है। एआई पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता युवाओं की समस्या सुलझाने की क्षमता को कमजोर कर रही है। मौलिक सोच का महत्व घटता जा रहा है। जब तैयार सामग्री आसानी से उपलब्ध हो, तो मेहनत से गहरा अध्ययन करने की आदत कम हो जाती है। परिणाम यह है कि समाज में गंभीर विचारकों की जगह केवल सामग्री प्रबंधकों की भीड़ बढ़ रही है। भारतीय मेधा के इस पतन को रोकने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की। सिद्धांत के स्तर पर यह काफी प्रगतिशील नीति है, लेकिन जमीन पर इसे लागू करने में बड़ी चुनौतियां हैं। इस नीति में रटने वाली शिक्षा खत्म कर तार्किक सोच, मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा और बहुविषयक पढ़ाई पर जोर दिया गया है। यह युवाओं को कला और विज्ञान को साथ पढ़ने की स्वतंत्रता भी देती है। लेकिन नीति कागज पर जितनी अच्छी दिखती है, उसका क्रियान्वयन उतना ही धीमा है।सरकारी स्कूलों और विश्वविद्यालयों में आज भी आधुनिक सुविधाओं और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है। जब तक ढांचागत सुधार नहीं होंगे, तब तक यह नीति एक दस्तावेज बनकर रह जाएगी। उच्च शिक्षा और तकनीकी पुस्तकों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद भी अभी शुरुआती स्तर पर है। इसी कारण ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएं मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही हैं। इस बड़े संकट से निकलने के लिए हमें तुरंत और लंबे समय के स्तर पर गंभीर बदलाव करने होंगे। अकादमिक संस्थानों को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त करना होगा। विश्वविद्यालयों को राजनीति की प्रयोगशाला बनाने के बजाय स्वतंत्र सोच और शोध के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। शिक्षा व्यवस्था में अंकों की अंधी दौड़ कम कर व्यावहारिक कौशल और मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का जरूरी हिस्सा बनाना होगा। युवाओं को यह समझाना होगा कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। साथ ही युवाओं को यह भी समझना होगा कि एआई उनका दुश्मन नहीं, बल्कि एक उपकरण है। शिक्षा व्यवस्था को अब उन क्षमताओं पर ध्यान देना चाहिए, जिन्हें एआई कभी पूरी तरह नहीं बदल सकता, जैसे मौलिक रचनात्मकता, संवेदनशीलता और गहरा दार्शनिक विश्लेषण। सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसा माहौल बनाना होगा, जहां युवा शोध और स्टार्टअप की ओर बढ़ सकें। असफलता के डर को कम करने के लिए आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा भी देनी होगी। भारतीय मेधा का ह्रास कोई प्राकृतिक समस्या नहीं है। यह हमारी बनाई हुई व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। समस्या न तो युवाओं की क्षमता में है और न ही इस देश की मिट्टी में। समस्या उस राजनीतिक, सामाजिक और तकनीकी माहौल में है, जो मेधा को विकसित होने से रोक रहा है। एआई के इस दौर में, जहां मशीनें इंसानों की तरह सोचने लगी हैं, इंसानों को उनसे अधिक रचनात्मक और मौलिक बनना होगा। यदि हम राजनीति को संकीर्णता से ऊपर उठाकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में ले जा सकें, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही अर्थों में लागू कर सकें और युवाओं को भयमुक्त वातावरण दे सकें, तो भारत फिर से विश्वस्तरीय वैज्ञानिक, दार्शनिक और मौलिक विचारक पैदा कर सकता है। भारतीय मेधा का पुनर्जागरण ही एक समर्थ भारत की असली नींव बनेगा।

–अशोक 'प्रवृद्ध'

क्वाड देशों ने भारत में चली 'समुद्री चाल' तो भड़का चीन! बोला- तीसरे देश को निशाना बनाना बंद करो

एजेंसी बीजिंग

चीन ने नई दिल्ली में हुई क्वाड देशों की बैठक का विरोध किया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को क्वाड के खिलाफ जमकर जहर उगला। उन्होंने क्वाड देशों के समुद्री निगरानी पहल शुरू करने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चीन अपने खिलाफ विशिष्ट 'छोटे समूहों' का विरोध करता है। उन्होंने यह भी कहा कि क्वाड को लेकर चीन का रुख स्पष्ट है। चीन शुरू से ही क्वाड को अपने खिलाफ बना एक सैन्य समूह बताता है।

माओ निंग ने कहा, "हमारा हमेशा से मानना रहा है कि देशों के बीच सहयोग से क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा मिलना चाहिए, न कि किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाना चाहिए। हम किसी विशेष 'छोटे समूह' या गुटों के बीच टकराव का समर्थन नहीं करते हैं, और कोई भी सहयोग क्षेत्र के देशों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को कमजोर नहीं करना चाहिए।"

हम हमेशा से यह मानते रहे हैं कि देशों के बीच सहयोग से क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा मिलना चाहिए, और इसका लक्ष्य कोई तीसरा पक्ष नहीं होना चाहिए।

माओ निंग, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता

दरअसल, क्वाड के सदस्य देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता की पृष्ठभूमि में समुद्री निगरानी और बंदरगाह अवसंरचना को मजबूत करने के लिए मंगलवार को नए उपायों की घोषणा की तथा महत्वपूर्ण खनिजों एवं ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग का विस्तार किया। इन नए उपायों की घोषणा नयी दिल्ली में समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद की गई। बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने की। इसमें अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल हुए।

विदेश मंत्रियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे ऐसे स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि करते हैं जो देशों को अपनी राह खुद तय करने की क्षमता और लचीलापन विकसित करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य से वे सहयोग को और बढ़ाने तथा क्षेत्र को ठोस लाभ पहुंचाने वाली मजबूत पहलों को आगे बढ़ाने पर सहमत हैं। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते वैश्विक व्यापार के निर्बाध प्रवाह का आह्वान किया, क्षेत्र में वाणिज्यिक पोतों पर ईरान द्वारा शुल्क लगाए जाने की आलोचना की और पूर्वी चीन सागर एवं दक्षिण चीन सागर की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई।

मंत्रियों ने बयान में चीन को संदेश देते हुए कहा, "हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता को खतरा पहुंचाने वाली, बल प्रयोग या दबाव बनाने वाली हर अस्थिरकारी या एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध दोहराते हैं।" उन्होंने कहा, "हम अपतटीय संसाधनों के विकास में हस्तक्षेप, नौवहन एवं उड़ान भरने की स्वतंत्रता में बार-बार बाधा डालने तथा सैन्य विमानों, तटरक्षक और समुद्री मिलिशिया पोतों की खतरनाक गतिविधियों सहित खतरनाक और दबावपूर्ण कार्रवाइयों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं।" उन्होंने कहा कि हम विवादित क्षेत्रों के सैन्यीकरण को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं।

अमेरिका-इजरायल का अल अक्सा मस्जिद प्लान, जॉर्डन का 'कब्जा' होगा खत्म

एजेंसी तेल अवीव

इजरायल और अमेरिका जॉर्डन से यरुशलम के अल-अक्सा मस्जिद परिसर की ऐतिहासिक देखरेख का अधिकार वापस लेने की तैयारी कर रहे हैं। वे एक नई व्यवस्था पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत इस पवित्र मस्जिद का प्रबंधन इजरायल के हितों के साथ पूरी तरह जुड़ जाएगा। यह दावा मिडिल ईस्ट आई ने अपनी रिपोर्ट में किया है। उसने अमेरिकी, जॉर्डन और फिलिस्तीनी अधिकारियों के साथ-साथ पश्चिमी और खाड़ी अरब सूत्रों के हवाले से कहा कि इस योजना के तहत जॉर्डन समर्थित इस्लामिक वक्फ का अधिकार समाप्त हो जाएगा। इसके बजाय, इजराइली सरकार द्वारा गठित एक नया निकाय अल-अक्सा मस्जिद को "बहु-धार्मिक केंद्र" घोषित कर देगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस योजना को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और इजरायल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी बढ़ावा दे रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस "नई व्यवस्था" के तहत यहूदियों को इस मुस्लिम स्थल तक "समान पहुंच" प्रदान की जाएगी और उन्हें बड़े समूहों में प्रार्थना करने की औपचारिक अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा, इमामों, उपदेशकों और मस्जिद के वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति में भी इजरायल की अहम भूमिका होगी। साथ ही, शुक्रवार के उपदेशों में कही जाने वाली बातों (सामग्री) को मंजूरी देने में भी इजरायल शामिल होगा।

दो अमेरिकी अधिकारियों ने मिडिल ईस्ट आई को बताया कि वाशिंगटन ने एक मसौदा तैयार किया है, जिसमें यह बताया गया है कि वे मस्जिद के भविष्य को किस रूप में देखते हैं। अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप प्रशासन चाहता है कि अल-अक्सा मस्जिद अपनी मुस्लिम पहचान खो दे और यह स्थल एक प्रमुख पर्यटन स्थल में तब्दील हो जाए, जहां तीनों इब्राहीमी धर्मों के लोग आ-जा सकें। पश्चिमी और जॉर्डन सरकार के अधिकारियों ने बताया कि प्रस्ताव के अनुसार, अरब देशों को अल-अक्सा मस्जिद परिसर की देखरेख का अधिकार "बारी-बारी से" (रोटेशन के आधार पर) दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि बहरीन, मिस्र, मोरक्को और संयुक्त अरब अमीरात (UAE)—इन सभी देशों को अमेरिका के इस प्रस्ताव के बारे में जानकारी दी जा चुकी है। दो खाड़ी अरब सूत्रों और जॉर्डन सरकार की सोच से परिचित एक अन्य सूत्र के अनुसार, सऊदी अरब—जिसका जॉर्डन के साथ गहरा ऐतिहासिक संबंध और मज़बूत गठबंधन है—इस प्रस्ताव के पूरी तरह खिलाफ था। सूत्रों ने बताया कि इजरायल ने सबसे पहले लगभग एक दशक पहले ट्रंप प्रशासन के सामने यह विचार रखा था, लेकिन पिछले साल हकाबी के अमेरिकी राजदूत का पद संभालने के कुछ ही समय बाद, उन्होंने वाशिंगटन से "बार-बार" इस योजना को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

भारत के खिलाफ बांग्लादेशी सुरक्षाबलों ने उठाए हथियार, सीमा पर गश्त तेज, चरम पर तनाव

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश ने भारत के साथ तनाव के बीच सीमा पर गश्त को तेज कर दिया है। बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवान हथियारों संग भारत से सटी सीमा पर चौकसी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, बीजीबी लगातार लाउडस्पीकरों और दूसरे प्रचार माध्यमों के जरिए सीमा के करीब रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को भारत के खिलाफ उकसा भी रही है। हालांकि, उसका कहना है कि यह जागरूकता अभियान है। बीजीबी से सीनियर अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि उन्हें चिंता है कि भारत अवैध रूप से लोगों को बांग्लादेश में ढकेल सकता है। दरअसल, पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत के बाद से ही अवैध बांग्लदेशी नागरिकों की धरपकड़ की जा रही है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में पहचान करने या पता लगाने, रिकॉर्ड या दस्तावेज से नाम हटाने, देश से बाहर भेजने या निर्वासित करने की नीति को सख्ती से लागू करने की घोषणा की है। इसके बाद से बांग्लादेशी घुसपैठियों के समूह अपने देश लौटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास उत्तर 24 परगना जिले के हाकिमपुर चौकी पर एकत्रित होते दिखाई दिए हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल सरकार ने बांग्लादेश के साथ खुली सीमा की बाड़बंदी के काम को तेज किया है।

इस महीने की शुरुआत में, भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया था कि भारत ने बांग्लादेश से 2,860 से अधिक ऐसे लोगों की राष्ट्रीयता की पुष्टि करने को कहा है, जिन पर बांग्लादेशी होने और देश में अवैध रूप से रहने का संदेह है। हालांकि, बांग्लादेश ने भारत के अनुरोध पर अब तक कोई एक्शन नहीं लिया है। इससे भारत में रह रहे अवैध बांग्लदेशियों की स्वदेश वापसी की प्रक्रिया अटकी हुई है। वहीं, दूसरी ओर बांग्लादेश की सरकार भारत पर अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को अपनी सीमा पर जबरन ढकेलने का आरोप लगा रही है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की 60वीं बटालियन ने रविवार को ब्राह्मणबारिया जिले के सीमावर्ती इलाकों में अभियान शुरू किया। उन्होंने लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करके निवासियों को चेतावनी दी और उनसे सीमा पार लोगों को धकेलने के प्रयासों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। बटालियन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल एस एम शरीफुल इस्लाम ने बताया, "हमने सीमावर्ती गांवों में निवासियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और उनसे किसी भी अवैध घुसपैठ या जबरन धकेलने के प्रयासों के खिलाफ सतर्क रहने को कहने के लिए लाउडस्पीकर से घोषणाएं शुरू कर दी हैं।" उन्होंने कहा, "सीमावर्ती इलाकों में हमारी गश्त और निगरानी को मजबूत किया गया है। अवैध घुसपैठ, मानव तस्करी और नशीले पदार्थों व अन्य सामानों की तस्करी को रोकने के लिए खुफिया अभियान भी जारी हैं।" बांग्लादेश और भारत के बीच 4,000 किलोमीटर (2,485 मील) से अधिक लंबी सीमा है, जो दुनिया की सबसे लंबी स्थलीय सीमाओं में से एक है। हर साल बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से सीमा पार कर भारत में प्रवेश करते हैं। इस दौरान वे उन रास्तों का इस्तेमाल करते हैं, जिनकी निगरानी कम है। अवैध बांग्लादेशी भारत में फर्जी पहचान के साथ रहते हैं। ऐसी आशंका है कि इनकी सबसे बड़ी संख्या पश्चिम बंगाल में निवास करती है, क्योंकि वे स्थानीय आबादी में आसानी से घुलमिल सकते हैं। पूर्वी बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के तीन उप-जिलों में भारत के राज्य त्रिपुरा के साथ सीमा का लगभग 73 किलोमीटर हिस्सा पड़ता है।

भारत के लिए बेकार हो गया क्वाड? जापानी एक्सपर्ट ने ट्रंप की नीति पर उठाए सवाल, अमेरिका को लताड़ा

एजेंसी टोक्यो

मंगलवार को नई दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। यह बैठक दो साल के लंबे इंतजार के बाद आयोजित की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी विदेश नीति जिम्मेदार है। उनका कहना है कि जब से ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, क्वाड गठबंधन लड़खड़ा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता से हटाकर पश्चिमी गोलार्ध और मध्य पूर्व की ओर रुख कर लिया है।

फरवरी में इजरायल के साथ ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने के साथ ही अमेरिका ने अपने सैन्य बेड़े को इंडो-पैसिफिक से हटाकर मध्य पूर्व में तैनात कर दिया। 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ शुरू किए गए अमेरिकी सैन्य अभियान एपिक फ्यूरी के दौरान अमेरिकी सेना ने अपने चार महत्वपूर्ण हथियारों से आधे से अधिक भंडार का इस्तेमाल कर दिया। इससे एशिया में अमेरिका के सहयोगी देश परेशान हो गए, क्योंकि उन्हें लगने लगा कि युद्ध की स्थिति में वे अब अमेरिका से सैन्य सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। ट्रंप द्वारा बीजिंग के साथ संबंधों को स्थिर करने की उत्सुकता दिखाने के बाद, वाशिंगटन को अचानक अपने सहयोगियों को यह विश्वास दिलाने की आवश्यकता पड़ रही है कि अमेरिका ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को नहीं छोड़ा है। आइनार टैंगेन, बीजिंग स्थित राजनीतिक विश्लेषक ट्रंप की विदेश नीति ने क्वाड को दिया झटका इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ दोस्ती की कोशिश करनी शुरू कर दी। दोनों देशों ने पहले व्यापार समझौते किए और आपसी मेल-मिलाप को बढ़ाया। इसके बाद ट्रंप ने चीन का दौरा कर संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश की। ट्रंप के इस कदम ने क्वाड देशों को बड़ा झटका दिया। क्वाड का गठन ही इंडो-पैसिफिक में चीन की आक्रामकता के खिलाफ किया गया है। लेकिन, जब क्वाड का सबसे मजबूत सहयोगी ही चीन के साथ दोस्ती कर ले, तब इस गठबंधन का कोई मतलब नहीं रह जाता है। अमेरिका-चीन की दोस्ती ने क्वाड के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जापानी एक्सपर्ट बोले- अमेरिका ने क्वाड को कमजोर किया अल जजीरा से बात करते हुए जापान इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स की विश्लेषक उमी अरिगा ने कहा, "यह मूल रूप से नुकसान को कम करने का प्रयास है।" उन्होंने कहा, "क्वाड की मंगलवार की बैठक समूह के अप्रासंगिक होने से पहले शिखर सम्मेलन की तारीख पर सहमत होने का एक प्रयास है।" अरिगा ने तर्क दिया कि नेतृत्व की कमी और वाशिंगटन की अधिक उदासीन भूमिका ने अंततः क्वाड की रणनीतिक एकजुटता को कमजोर कर दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची का जिक्र करते हुए कहा, "2025 में कोई नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं हुआ। ट्रंप ने कभी इसमें भाग नहीं लिया, और न ही जापान की ताकाइची ने। शीर्ष स्तर पर यह समूह एक वर्ष से अधिक समय से नेतृत्वहीन रहा है।" पिछले हफ्ते शी-ट्रंप शिखर सम्मेलन से पहले जापानी नीति समुदाय के भीतर कुछ चिंताएं थीं कि ट्रंप पश्चिमी गोलार्ध पर दावा करके अपने एशियाई सहयोगियों को बेच देंगे, जबकि चीन को एशिया में अपने सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव का विस्तार करने के लिए छोड़ देंगे।

भारत का विरोध दरकिनार, पाकिस्तान और चीन का काराकोरम हाईवे पर बड़ा ऐलान, CPEC 2.0 को मंजूरी

एजेंसी बीजिंग

वैश्विक तनाव के बीच पाकिस्तान और चीन ने आपसी संबंधों को और मजबूत करने का ऐलान किया है। यह ऐलान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के चीन दौरे के दौरान हुआ है। इस दौरान शहबाज शरीफ ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात की थी। इस बैठक में ही चीन-पाकिस्तान संबंधों को नए मुकाम पर पहुंचाने पर सहमति बनी है। दोनों देशों ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) का दूसरा और उन्नत चरण (CPEC 2.0) लागू करने पर सहमति जताई। एक संयुक्त बयान में उन्होंने कहा, "दोनों पक्षों ने सौहार्दपूर्ण बातचीत की और चीन-पाकिस्तान के सर्वकालिक रणनीतिक सहयोग साझेदारी को और गहरा करने पर एक नई व्यापक सहमति पर पहुंचे।" बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के तहत एक प्रमुख परियोजना, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की, जिसके तहत 1,300 किलोमीटर (808 मील) लंबे काराकोरम राजमार्ग का उन्नयन और पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का विकास किया जाएगा। दोनों पक्ष काराकोरम हाईवे (थाकोट-रायकोट मार्ग) के री-अलाइनमेंट प्रोजेक्ट को "चरणबद्ध और व्यवस्थित तरीके से" आगे बढ़ाने पर सहमत हुए। दोनों पक्ष "ग्वादर बंदरगाह की क्षमता का लाभ उठाने और इसे एक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी हब के रूप में विकसित करने" पर सहमत हुए। इस्लामाबाद और बीजिंग ने चीन और पाकिस्तान के बीच जमीनी कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए खुंजेराब दर्रे का सही इस्तेमाल करने का भी संकल्प लिया। दोनों पक्षों ने चीन और पाकिस्तान द्वारा तय किए गए मॉडल के तहत CPEC के विकास में तीसरे पक्षों की भागीदारी का स्वागत किया। इसके अलावा, दोनों पक्ष स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप औद्योगिक पार्कों के विकास को आगे बढ़ाने और कपड़ा तथा घरेलू उपकरणों जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक सहयोग के प्रदर्शन प्रोजेक्ट बनाने पर भी सहमत हुए। चीन और पाकिस्तान ने सीपीईसी 2.0 के तहत कराकोरम हाइवे के अपग्रेडेशन पर भारत की आपत्तियों को दरकिनार कर दिया है। यह मार्ग पाकिस्तान अधिकृ कश्मीर (PoK), गिलगित-बाल्टिस्तान और ट्रांस-काराकोरम (शक्सगाम घाटी) क्षेत्र से होकर गुजरता है। 1963 में पाकिस्तान ने एक समझौते के तहत PoK की शक्सगाम घाटी को अवैध रूप से चीन को सौंप दिया था। इस क्षेत्र से हाइवे का गुजरना भारत की संप्रभुता का सीधा उल्लंघन है। कराकोरम हाइवे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) का एक प्रमुख हिस्सा है। भारत का मानना है कि यह प्रोजेक्ट भारत की सुरक्षा को नजरअंदाज करके उसकी सीमा के अंदर से गैरकानूनी तरीके से निकाला गया है।

भारत के बाद अफगानिस्तान को पुतिन का खास तोहफा, गदगद हुआ तालिबान

एजेंसी इस्लामाबाद

आज काबुल की धरती से एक ऐसी खबर सामने आई जिसने पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति में भूचाल ला दिया। जब पूरी दुनिया ने अफगानिस्तान को एक जलता हुआ घर समझकर अपने दरवाजे बंद कर दिए तब दो पुराने यारों ने यानी भारत और रूस ने तय कर लिया कि वो इस मुल्क को पाकिस्तान की साजिशों की आग में जलने नहीं देंगे। एक तरफ भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने ऐलान किया कि भारत का एक विशाल विमान 20 टन क्रिटिकल मेडिकल सप्लाई लेकर काबुल में उतर चुका है। तो वहीं दूसरी तरफ रूस की दिग्गज कंपनी फार्मा सिंटेज ने अफगानिस्तान के साथ दवाइयों का महा समझौता महा डील कर ली है। हम उस कूटनीतिक सर्जिकल स्ट्राइक की बात करेंगे जो बिना गोली चलाए इस्लामाबाद के घमंड को चकनाचूर कर चुकी है। जब पूरी दुनिया ने अफगानिस्तान को उसके हाल पर छोड़ दिया था तब दिल्ली और मॉस्को ने तय किया कि वे इस मुल्क को यानी अफगानिस्तान को पाकिस्तान की साजिशों की आग में नहीं जलने देंगे। रूस की सबसे बड़ी फार्मा एजेंसियों में से एक फार्मा सिंटेज ने अब अफगानिस्तान का हाथ थाम लिया है। लेकिन इस खबर का सबसे बड़ा धमाका सुनिए। इस रूसी कंपनी को चलाने वाले आदमी भारतीय मूल के एक जांबाज कारोबारी हैं। सोचिए रूस की तकनीक और भारतीय दिमाग जब यह दोनों मिलेंगे तो पाकिस्तान का पत्ता कटना तय था। रूस अब अफगानिस्तान को वो सब देगा जिसके लिए वो पहले पाकिस्तान का मोहताजदा इंसुलिन, एंटीबायोटिक्स, हार्ट और कैंसर की दवाइयां सब कुछ। और जब अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी आयात पर बैन लगाया तो शहबाज शरीफ को लगा कि काबुल घुटने पर आ जाएगा। लेकिन रूस और भारत ने मिलकर पाकिस्तान के इस ब्लैकमेल वाले प्लान को मिट्टी में मिला दिया। अब काबुल के अस्पतालों में जो दवाइयां चलेंगी उन पर या तो भारत का तिरंगा लहरा रहा होगा या फिर रूस का ट्राई कलर। इतिहास गवाह है। दोस्त वही जो अंधेरे में हाथ थाम ले और भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक ट्वीट के जरिए दुनिया के बड़े-बड़े रणनीतकारों को नक्शा खोलने पर मजबूर कर दिया। काबुल एयरपोर्ट पर जब भारत का विमान उतरा तो वह सिर्फ लोहा और इंजन नहीं था। वो अफगानिस्तान के करोड़ों माता-पिता की उम्मीद थी। 20 टन क्रिटिकल मेडिकल सप्लाई थी और यह महज दवाइयां नहीं है दोस्तों। यह पाकिस्तान के उस घमंड पर सबसे बड़ी चोट थी जो सोचता था कि अफगानिस्तान उसके बिना सांस भी नहीं ले सकता है। इसमें बीसीजी, टिटनेस और डिप्थीरिया जैसे जानलेवा रोगों के टीों का कच्चा माल शामिल है। भारत ने साफ कर दिया और कह दिया कि मोर कंसाइनमेंट्स आर अंडरवे। यानी मतलब यह तो बस ट्रेलर है। पूरी पिक्चर अभी बाकी है। पाकिस्तान के लिए संदेश मैसेज साफ है कि तुम नफरत भेजो हम जिंदगी भेजेंगे। काबुल का इंदिरा गांधी चिल्ड्रन हॉस्पिटल आज भी वहां की सबसे बड़ी उम्मीद है जिसे भारत ने अपने खून पसीने से सवारा है।

आईपीएल में आज एक टीम का सफर समाप्त हो जाएगा, वैभव सूर्यवंशी मैदान पर होंगे

एजेंसी न्यू चंडीगढ़

सनराजइर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच बुधवार को आईपीएल 2026 का एलिमिनेटर मैच खेला जाना है। यह मुकाबला महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। इसकी शुरुआत भारतीय समय अनुसार शाम साढ़े 7 बजे से होगी। इस मैच में हारने वाली टीम का सफर आईपीएल 2026 में समाप्त हो जाएगा। वहीं विजेता टीम दूसरे क्वालीफायर में इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस का सामना करेगी। दोनों टीमों के लिए अब किसी भी गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सीजन के लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दोनों बार हराया है। 13 अप्रैल को एसआरएच ने आरआर के खिलाफ 57 रन से जीत दर्ज की थी, जबकि 25 अप्रैल को इसी टीम के विरुद्ध 5 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। हैदराबाद ने 14 मुकाबलों में 9 जीत के साथ 18 अंक अपने नाम किए। यह टीम प्वाइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर रही। एसआरएच के अंक शीर्ष-2 टीमों के बराबर थे, लेकिन कम नेट रन रेट के कारण उन्हें एलिमिनेटर खेलना पड़ रहा है। दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स ने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस पर एक अहम जीत के साथ प्लेऑफ में जगह बनई है। 8 लीग मैच जीतने के बाद यह टीम 16 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रही। बैटिंग यूनिट सनराइजर्स हैदराबाद की सबसे बड़ी मजबूती रही है। अभिषेक शर्मा ने टॉप ऑर्डर में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी है, जबकि किशन और हेनरिक क्लासेन ने मिडिल ऑर्डर में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। नीतीश कुमार रेड्डी भी इस सीजन के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर्स में से एक बनकर उभरे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद की गेंदबाजी यूनिट में कुछ जगहों पर अनुभव की कमी नजर आई है, लेकिन इसके बावजूद टीम ने सही समय पर शानदार प्रदर्शन किया। युवा तेज गेंदबाज साकिब हुसैन और ईशान मलिंगा ने कमिंस के साथ मिलकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। राजस्थान रॉयल्स को उम्मीद होगी कि उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी लाइनअप, जब सबसे ज्यादा जरूरत होगी, तब आखिरकार एसआरएच की रणनीति को भेदने में कामयाब रहेगी। राजस्थान रॉयल्स टीमः यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, यश राज पुंजा, ब्रिजेश शर्मा, रविंद्र जडेजा, सुशांत मिश्रा, अमन राव पेराला, रवि बिश्नोई, तुषार देशपांडे, एडम मिल्ने, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, कुलदीप सेन, युद्धवीर सिंह चरक, क्वेना मफाका, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, इमानजोत सिंह चहल, विग्नेश पुथुर। सनराइजर्स हैदराबाद टीमः अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, नीतीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे, अनिकेत वर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, कामिंदु मेंडिस, जीशान अंसारी, गेराल्ड कोएत्जी, दिलशान मदुशंका, क्रेन्स फुलेट्रा, ओंकार तरमाले, आरएस अंबरीश, अमित कुमार।

आरसीबी की जीत के बाद स्टैंड्स में पहुंचे विराट कोहली, पत्नी अनुष्का को लगा लिया गले

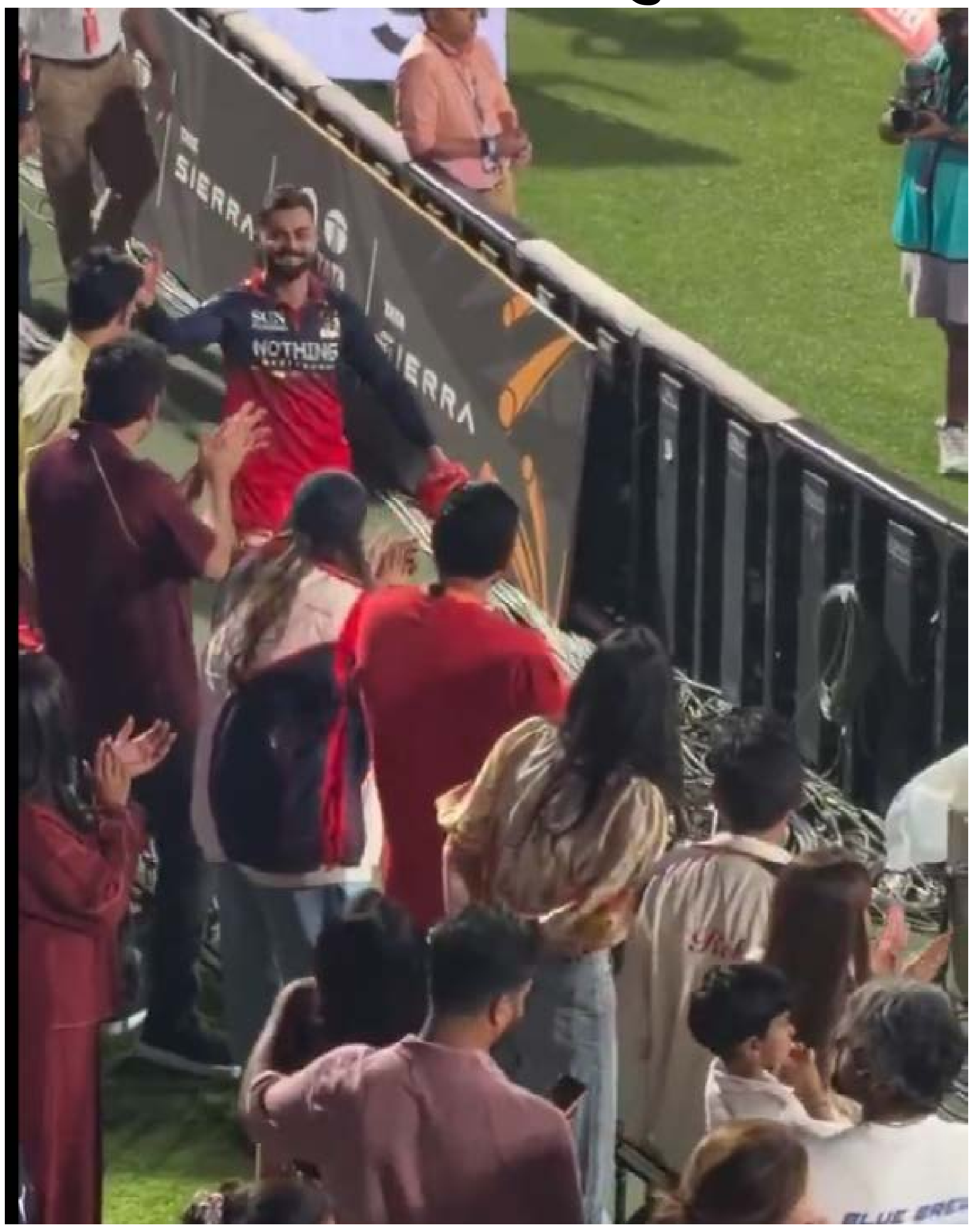

एजेंसी नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। धर्मशाला में खेले गए पहले क्वालीफायर में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 92 रनों की बड़ी जीत हासिल की। आरसीबी लगातार दूसरे सीजन आईपीएल का फाइनल खेलेगी। क्वालीफायर-1 के खत्म होने के बाद का विराट कोहली एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मैच में आरसीबी और विराट कोहली को सपोर्ट करने अनुष्का शर्मा भी पहुंची थी। आरसीबी की जीत के बाद विराट कोहली धर्मशाला क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम के स्टैंड में पहुंचे। आरसीबी के कुछ सदस्यों से मिलने के बाद वह अनुष्का शर्मा के पास पहुंच गए। विराट ने अनुष्का को हग किया और कुछ देर तक दोनों की बात होती रही। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी शेयर किया जा रहा है।

धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर आरसीबी ने पहले बैटिंग की। गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। विराट कोहली ने 25 गेंदों पर 43 रनों की तेज पारी खेली। पावरप्ले में ही टीम ने 76 रन ठोक दिए। हालांकि इसके बाद गुजरात के गेंदबाजों ने वापसी की। लेकिन कप्तान रजत पाटीदार ने सिर्फ 33 गेंदों पर 93 रनों की नाबाद पारी खेली। इसने आरसीबी को 254 रनों तक पहुंचा दिया। यह आईपीएल इतिहास में प्लेऑफ का सबसे बड़ा स्कोर है।

गुजरात टाइटंस ने पावरप्ले में ही अपने टॉप-3 प्रमुख बल्लेबाजों के अलावा निशांत सिंधु और जेसन होल्डर के विकेट खो दिए। 88 रनों पर टीम के 8 विकेट गिर चुके थे और आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हार का खतरा मंडरा रहा था। यहां से राहुल तेवतिया की बैटिंग ने टीम को 150 के पार पहुंचा दिया। 43 गेंद पर तेवतिया ने 68 रन बनाए। आरसीबी को 92 रनों से जीत मिली। जैकब डफी ने तीन जबकि भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और क्रुणाल पंड्या ने 2-2 विकेट लिए।

भारत के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए अफगानिस्तान की टीम का ऐलान, नए खिलाड़ियों की एंट्री, राशिद-नबी भी मौजूद

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय सरजमीं पर होने वाली आगामी क्रिकेट सीरीज के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी वनडे और टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है। दोनों ही फॉर्मेट में टीम की कमान बाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज हशमतुल्लाह शाहिदी को सौंपी गई है। अफगानिस्तान का यह भारत दौरा 6 जून से शुरू होकर 20 जून तक चलेगा जिसके तहत दोनों टीमों के बीच एक एकमात्र ऐतिहासिक टेस्ट मैच और तीन मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज खेली जाएगी। अफगानिस्तान ने इस महत्वपूर्ण दौरे के लिए अपनी टीम में अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन संतुलन बनाने की कोशिश की है। वनडे सीरीज के लिए अफगानिस्तान ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वनडे स्क्वॉड में जादुई स्पिनर राशिद खान, विस्फोटक बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान जैसे स्टार खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जो किसी भी परिस्थिति में मैच का पासा पलटने का माद्दा रखते हैं। वहीं, एकमात्र टेस्ट मैच के लिए अफगानिस्तान ने अपनी टीम में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। टेस्ट टीम के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देने का जिम्मा रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज और ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई के कंधों पर होगा। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी के लिए इस बार अफसर जजई और इकराम अलीखिल दोनों को टेस्ट टीम में जगह दी गई है। स्पिन और गेंदबाजी आक्रमण का नया चक्रव्यूह भारत की स्पिन-अनुकूल पिचों को ध्यान में रखते हुए अफगानिस्तान ने अपने स्पिन विभाग को काफी धारदार बनाया है। टेस्ट फॉर्मेट में टीम का स्पिन आक्रमण मुख्य रूप से शराफुद्दीन अशरफ और कैस अहमद की जोड़ी पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, तेज गेंदबाजी और स्पिन के बैकअप के तौर पर नांग्याल खारोताई, जिया यू रहमान शरीफी और बिलाल सामी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी दोनों स्क्वॉड में पर्याप्त मौके दिए गए हैं।

अफगानिस्तान वनडे टीमः
हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया यू रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।
रिजर्व खिलाड़ीः कैस अहमद, सलीम सफी, बशीर अहमद।

अफगानिस्तान टेस्ट टीमः
हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नांग्याल खारोताई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी, सलीम सफी।

व्यापार

भारत के लिए यह मुस्लिम देश बेहद अहम, 11,479 करोड़ का माल खपाने का दम, इन देशों की बढ़ेगी बेचैनी

एजेंसी नई दिल्ली

ओमान भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए एक अहम बफर के तौर पर उभर सकता है। 1 जून 2026 से भारत के साथ उसका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) लागू होने जा रहा है। यह उन भारतीय एक्सपोर्टर्स को मौका देगा जो होर्मुज स्ट्रेट से अपने शिपमेंट का रास्ता बदलना चाहते हैं। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच होर्मुज के रास्ते सप्लाई में बाधा आई है। मनीकंट्रोल ने एक विश्लेषण किया है। इससे पता चलता है कि ओमान लगभग 1.2 अरब डॉलर (लगभग 11,479 करोड़ रुपये) के भारतीय एक्सपोर्ट को अपने यहां खपा सकता है। ये एक्सपोर्ट अभी उन अर्थव्यवस्थाओं से होकर गुजरते हैं जो होर्मुज स्ट्रेट पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। इससे पश्चिम एशिया में जारी संकट की वजह से पैदा हुई कुछ रुकावटों से निपटने में मदद मिलेगी। यह मौका इसलिए भी अहम है क्योंकि 2024 में भारत ने स्ट्रेट से जुड़ी खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाओं को कुछ खास प्रोडक्ट कैटेगरी में लगभग 7.5 अरब डॉलर का सामान एक्सपोर्ट किया। इंडस्ट्रियल सामान और इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स में एक्सपोर्ट का रास्ता बदलने की सबसे ज्यादा गुंजाइश है। भारत ने होर्मुज से जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं को 24.2 करोड़ डॉलर से ज्यादा कीमत के जहाज और फ्लोटिंग स्ट्रक्चर (तैरने वाली चीजें) एक्सपोर्ट किए। इनमें से लगभग 6 करोड़ डॉलर का एक्सपोर्ट अकेले ओमान ने खरीदा। उसके पास अभी भी लगभग 50 लाख डॉलर का और सामान खरीदने की क्षमता बाकी है। मशीनरी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े एक्सपोर्ट में भी सामान खपाने की अच्छी संभावना दिखती है। इनमें इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट, कन्वेयर, इलेक्ट्रिकल ट्रांसफॉर्मर और इंसुलेटेड कंडक्टर शामिल हैं। अकेले इलेक्ट्रिकल ट्रांसफॉर्मर ही स्ट्रेट से जुड़े पूरे इलाके में भारत के कुल एक्सपोर्ट का 7.6 करोड़ डॉलर से ज्यादा हिस्सा बनाते हैं।

इसमें से लगभग 2.46 करोड़ डॉलर का एक्सपोर्ट अकेले ओमान खरीदता है। इंसुलेटेड इलेक्ट्रिकल कंडक्टर एक और बड़ी कैटेगरी है। इसमें इस इलाके में होने वाला कुल एक्सपोर्ट 10.7 करोड़ डॉलर से ज्यादा का है। और कहां-कहां दिख रहे भारत के लिए मौके? कंज्यूमर गुड्स और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स को भी एक्सपोर्ट का रास्ता बदलने से फायदा हो सकता है। भारत ने इस इलाके को 26.7 करोड़ डॉलर से ज्यादा कीमत के कॉस्मेटिक्स और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट किए। इसमें से लगभग आधा यानी 12.6 करोड़ डॉलर का एक्सपोर्ट अकेले ओमान ने खरीदा। कपड़े, शॉल, सिरेमिक टाइल्स, बोरे और पैकेजिंग का सामान, जूते बनाने का सामान और प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स कुछ और कैटेगरी हैं। इनमें स्ट्रेट से जुड़े पूरे बाजार में भारत के कुल एक्सपोर्ट का 15% से 45% हिस्सा अकेले ओमान खरीदता है। कई प्रोडक्ट सेगमेंट में ओमान पहले से ही सामान को आगे भेजने और उसे इस्तेमाल करने के बड़े हब के तौर पर काम कर रहा है। फ्रोजन टूना, रिफ्रैक्टरी ईंटें, सिरेमिक प्रोडक्ट्स, इंडस्ट्रियल केमिकल्स और मछली पकड़ने के जाल जैसी कैटेगरी में स्ट्रेट से जुड़े इलाकों में भारत के कुल एक्सपोर्ट में ओमान का हिस्सा 40% से 55% के बीच है। अगर स्ट्रेट के आस-पास अस्थिरता बनी रहती है तो ओमान पश्चिम एशिया में भारत के लिए व्यापार का वैकल्पिक रास्ता (बैकअप गेटवे) बनकर उभर सकता है।

चीन की चूड़ी कसेंगे भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, तैयार है 1,91,300 करोड़ का प्लान

एजेंसी नई दिल्ली

क्वाड के चार पार्टनर चीन की चूड़ी कसने के लिए तैयार हैं। ये क्रिटिकल मिनरल्स पर ड्रैगन की दादागिरी ध्वस्त करेंगे। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान जरूरी खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए रेडी हैं। इसके लिए 20 अरब डॉलर (करीब 1.91 लाख करोड़ रुपये) तक का इंवेस्टमेंट प्लान है। यह आयात पर निर्भरता कम करने और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम है। मंगलवार को जारी 'क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव फ्रेमवर्क' में इन देशों ने सरकारी और निजी क्षेत्रों के सहयोग से 20 अरब डॉलर तक का निवेश जुटाने का इरादा जाहिर किया है। यह निवेश नए और मौजूदा प्रयासों के जरिए क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। इसमें माइनिंग, प्रोसेसिंग और रीसाइक्लिंग जैसे अलग-अलग काम शामिल हैं। इस फ्रेमवर्क में क्वाड पार्टनरों के बीच जरूरी खनिजों की सप्लाई चेन पर सहयोग के मुख्य क्षेत्रों को तय किया गया है।

इसमें हर पार्टनर की घरेलू नीतियों और प्राथमिकताओं का पूरा ध्यान रखा गया है। इन देशों का मकसद जरूरी खनिजों की सुरक्षित सप्लाई चेन के विकास में मदद करना है। ये आधुनिक तकनीकों, आर्थिक विकास और इंडस्ट्रियल बेस की मजबूती के लिए बेहद जरूरी हैं। ये देश आर्थिक नीति के साधनों और समन्वित निवेश का इस्तेमाल करके जरूरी खनिजों के विविध और निष्पक्ष बाजारों के विकास को तेज करने के लिए मिलकर काम करने का इरादा रखते हैं। साथ ही, वे उन जरूरी खनिजों की सप्लाई में भी मदद करेंगे जो इस क्षेत्र के आर्थिक विकास और सुरक्षा के लिए बेहद अहम हैं। ये चारों देश अब ऐसे प्रोजेक्ट्स की पहचान करने की तैयारी में हैं जिनका क्वाड से सीधा जुड़ाव हो। उदाहरण के लिए ऐसे प्रोजेक्ट्स जो पार्टनर देशों के भीतर स्थित हों या जिनका संचालन इन चारों देशों में मुख्यालय वाली कंपनियां करती हों या जो क्वाड के बाजारों को सप्लाई करते हों और जो क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन में मौजूद कमियों को दूर करते हों।

उनका मकसद रणनीतिक रूप से अहम क्रिटिकल मिनरल्स से जुड़े प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देना भी है। इसके लिए वे कई तरह की पहल करेंगे, जिनमें शामिल हैं:एक्सपोर्ट क्रेडिट एजेंसियां, डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस निजी पूंजी जुटाना अन्य सरकारी सहायता साधन, जैसे गारंटी, लोन, इक्विटी में हिस्सेदारी, बीमा, सब्सिडी और ऑफटेक (खरीद का वादा), और जरूरत के हिसाब से अन्य व्यावसायिक समझौते ये देश नए मेकेनिज्म की खोज करने की भी योजना बना रहे हैं ताकि निजी पूंजी जुटाने में मदद मिल सके। साथ ही क्वाड के भीतर और क्षेत्रीय स्तर पर जरूरी खनिजों की सप्लाई चेन को और मजबूत बनाया जा सके।

भारत में 7, अमेरिका में 16, इस एक कदम से बच जाएगी 28,540 करोड़ की विदेशी मुद्रा

एजेंसी नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत का विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) बचाने पर जोर है। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपील कर चुके हैं। विदेशी मुद्रा बचाने के लिए उन्होंने गैर-जरूरी खर्च कम करने को कहा है। इस बीच एक रिपोर्ट आई है। इसमें कहा गया है कि सिर्फ एक कदम से भारत करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा बचा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में रकिमंडेड एंटी-डंपिंग ड्यूटी लागू नहीं हैं। ऐसा न किए जाने से घरेलू उद्योग को सालाना 11,938 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। वहीं, इन ड्यूटी को लागू करके इंपोर्ट में आने वाली कमी से सालाना 28,540 करोड़ रुपये की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) सस्ते माल को भारत में खपाने (डंपिंग) की जांच करता है। वहीं, इन शुल्कों को लागू करने का अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय लेता है। सी-डीईपी रिसर्च और सेंटर फॉर डब्ल्यूटीओ स्टडीज की इस रिपोर्ट के मुताबिक, डीजीटीआर की ओर से 56 उत्पादों पर अनुशंसित एंटी-डंपिंग ड्यूटी लागू नहीं होने से यह नुकसान हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर इन ड्यूटी को लागू किया जाए तो घरेलू मैन्युफैक्चरर इंपोर्ट की जगह डिमांड पूरी कर सकेंगे। इससे विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) की खासी बचत होगी। सस्ते आयात के कारण वर्तमान में करीब 1.54 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है यह आर्थिक नुकसान 2030 तक बढ़कर 2.70 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। इसी अवधि में एम्प्लॉयमेंट लॉस भी लगभग 24,000 से बढ़कर 38,000-42,000 तक पहुंचने का अनुमान है। एंटी-डंपिंग ड्यूटी ऐसे उपाय हैं, जिनका इस्तेमाल सरकारें घरेलू उद्योग को विदेशी कंपनियों की ओर से कम कीमत पर की जाने वाली बिक्री से बचाने के लिए करती हैं। डंपिंग तब होती है, जब कोई उत्पाद अपने घरेलू बाजार की तुलना में कम कीमत पर दूसरे देश में निर्यात किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के सालों में डीजीटीआर की सिफारिशों को लागू करने के रुझान में बदलाव आया है। साल 2020 तक जहां लगभग 99.5 फीसदी सिफारिशें लागू हो जाती थीं।

महाभारत युद्ध के तीन किन्नर महारथी, द्रौपदी से था करीबी रिश्ता, ये न होते तो पांडव कभी युद्ध जीत न पाते

महाभारत सिर्फ एक युद्ध नहीं बल्कि यह योद्धाओं, राजाओं और महारथियों की वीरगाथा है। महाभारत युद्ध में बहुत से ऐसे योद्धा रहे हैं जिनके बारे में बहुत ही कम लोग जानते हैं। पांडवों की जीत दिलाने में कृष्ण की रणनीति के साथ साथ तीन ऐसे किन्नर महारथियों का योगदान भी हैं जिनके इतिहास के पन्नों में ज़्यादा जिक्र नहीं किया गया है। इन किन्नर महारथियों का द्रौपदी से भी बेहद खास नाता रहा है। इन महारथियों ने अपने साहस, त्याग और बुद्धि के बल पर महाभारत युद्ध की पूरी दशा ही बदल दी थी। ऐसा माना जाता है कि अगर यह किन्नर युद्ध में पांडवों का साथ न देते तो महाभारत का परिणाम कुछ और ही होता। आइए जानते हैं इन तीन किन्नर महारथियों की कहानी , द्रौपदी से उनका क्या रिश्ता था और कैसे पांडवों को महाभारत का महानायक बनाने में इनकी कैसी भूमिका रही है।

द्रौपदी के भाई शिखंडी और अर्जुन ने भीष्म पितामह का मिलकर वध किया था। महाभारत युद्ध में कौरवों के सेनापति रहे भीष्म पितामह को हराना बहुत ही मुश्किल था। क्योंकि, उन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान था। महाभारत युद्ध में 10वें दिनों तक भीष्म पितामह रणभूमि में डटकर खड़े रहे। भगवान कृष्ण जानते थे कि उन्हें परास्त करें बिना युद्ध जितना असंभव होगा। तब कृष्ण ने एक रणनीति बनाई। द्रौपदी के भाई शिखंडी को अर्जुन का सहसवार बनाया गया। इसके पीछे भगवान कृष्ण की एक बड़ी रणनीति थी। भगवान कृष्ण की सलाह पर ही अर्जुन द्रौपदी के भाई शिखंडी को लेकर रणभूमि में पहुंचे और युद्ध भूमि में श्रीखंडी को आगे कर दिया और अर्जुन खुद पीछे छिप गए।

शिखंडी ने भीष्म पितामह को उलझाया, दरअसल, भीष्म पितामह जानते थे कि शिखंडी पूर्व जन्म में एक स्त्री थी जिसका नाम अंबा था। भीष्ण ने प्रतिज्ञा ली थी कि वह किसी स्त्री पर शस्त्र नहीं उठाएंगे। भीष्म शिखंडी को उसी रुप में देखते थे। इसलिए शिखंडी को अपने सामने खड़े देख उन्होंने अपने शस्त्र नीचे कर दिए। भगवान कृष्ण इस रहस्य के बारे में जानते थे। श्री कृष्ण के निर्देशानुसार, अर्जुन ने शिखंडी को आगे रखा और खुद पीछे से भीष्म पितामह पर वार कर दिया। अर्जुन के बाण से भीष्म के शरीर का कोई भी अंग अछूता नहीं बता था। भीष्म पितामह महाभारत युद्ध समाप्त होने तक उस बाणों की शैय्या पर लेटे रहे और सूर्य के उत्तरायण होने पर उन्होंने अपना देह का त्याग किया। पांडवों को विजय दिलाने के लिए श्री कृष्ण ने लिया किन्नर अवतार (इरावन के बलिदान की कथा) महाभारत युद्ध के दौरान पांडवों की जीत के लिए रणचंडी को प्रसन्न करने के लिए एक राजकुमार की बली दी जानी थी। सभी लोग असमंजस में पड़े थे कि किस राजकुमार की बलि दी जाए। ऐसे में अर्जुन और नागकन्या उलूपी और अर्जुन के पुत्र इरावन ने कहा कि वह अपना बलिदान देने के लिए तैयार है। लेकिन, इरावन ने एक शर्त रखी। वह एक रात के लिए विवाह करना चाहते थे। उनके लिए कन्या ढूंढी गई लेकिन, कोई भी कन्या एक रात के वर से विवाह के लिए तैयार नहीं हुई। तब भगवान कृष्ण ने पांडवों को विजय दिलाने के लिए खुद ही किन्नर रुप धारण किया। इस रुप में भगवान कृष्ण ने इरावन से विवाह किया। विवाह के अगले दिन ही इरावन की बलि दे दी गई। आज भी तमिलनाडु के कोथांदवर मंदिर में यह परंपरा निभाई जाती है। इरावन को किन्नर अपने भगवान मानते हैं ऐसे में वह इरावन देवता से विवाह के बाद अगले दिन विधवा हो जाते हैं।

बृहनल्ला बनने का श्राप अर्जुन के लिए बना वरदान महाभारत युद्ध से पहले जब पांडवों को अज्ञातवास दिया गया। तब भगवान कृष्ण की मुलाकात अर्जुन से हुई। उन्होंने अर्जुन को समझाया कि योद्धाओं को अपना समय किसी भी समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए। ऐसे में तुम स्वर्ग जाकर दिव्य शस्त्र इकट्ठा करो। भगवान कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि मुझे आने वाले भविष्य में दिखाई दे रहा है कि तुम्हें इसकी जरूरत होगी। भगवान कृष्ण की बात सुनकर अर्जुन स्वर्ग में इंद्रदेव के पास पहुंचे। वहां इंद्र की अप्सरा उर्वशी अर्जुन का तेज देखकर उनपर मोहित हो गई और अर्जुन को प्रेम प्रस्ताव दिया। उर्वशी अर्जुन के पूर्वज पुरुरवा की पत्नी रह चुकी थी। इसलिए उन्होंने उर्वशी को माता कहकर संबोधित किया और उनसे निवेदन किया कि माता आप मेरी पूर्वज की पत्नी रह चुकी हैं ऐसे में मैं आपके पुत्र के समान हुआ। उर्वशी अर्जुन के वचन सुनकर क्रोधित हो गई और अर्जन को बृहल्ला (यानी नुपुंसक रहने का श्राप दे दिया)। अर्जुन दुखी मन से स्वर्ग से जाने लगे तो इंद्रदेव उन्हें मिले अर्जन ने उन्हें सारी वाक्य सुनाया तो इंद्रदेव के कहने पर उर्वशी ने अपने श्राप की अवधि को कम करके एक वर्ष का कर दिया। वह अवधि अर्जन अपने जीवन में कभी भी पूरी कर सकते हैं। ऐसे में अपने वनवास के दौरान एक वर्ष के अज्ञातवास के दौरान अर्जुन ने बृहनल्ला के रुप में अज्ञातवास पूरा किया। यानी उर्वशी का श्राप भी अर्जुन के लिए वरदान साबित हुआ क्योंकि, अर्जुन का तेज इतना था कि अज्ञात वास के दौरान उन्हें कोई भी पहचान सकता था। लेकिन, अपने रुप बदलकर अर्जुन ने अपना अज्ञातवास पूरा किया। पांडवों के लिए यह श्राप वरदान साबित हुआ।

नौतपा में बढ़ती गर्मी में लड्डू गोपाल की करें सेवा, इन बातों का रखें ख्याल

इस समय गर्मी अपने चरम पर है लगातार सूर्य अंगारे बरसा रहे हैं। तापमान में लगातार उछाल बना हुआ है। दरअसल, इस समय साल के सबसे गर्म दिन यानी नौतपा चल रहा है। नौतपा के दौरान प्रचंड गर्मी पड़ती है। इस दौरान लड्डू गोपाल की सेवा करने का विशेष परंपरा रही है। शास्त्रों में इस दौरान लड्डू गोपाल की सेवा के अलग नियम बताए गए हैं। नौतपा में भगवान कृष्ण को शीतलता और विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। इस बार मलमास भी लगा हुआ है। ऐसे में इस समय जो व्यक्ति भगवान कृष्ण की सच्ची श्रद्धा और उपासना से सेवा करता है उससे भगवान विष्णु और कृष्ण प्रसन्न होते हैं। आइए जानते हैं नौतपा के 9 दिन और गर्मी में लड्डू गोपाल की सेवा कैसे करें।

नौतपा में लड्डू गोपाल की सेवा के नियम

शास्त्रों में बताया गया है कि नौतपा के दिनों में इस बात का ख्याल रखें कि लड्डू गोपाल को अधिक गर्मी वाली जगह पर न विराजमान करें।

लड्डू गोपाल को जब भी सुबह स्नान कराएं को ठंडे पानी से कराएं और उसमें थोड़ा गुलाब जल डाल लें। ऐसा करने से वातावरण बहुत पवित्र हो जाता है। साथ ही लड्डू गोपाल को भी शीतलता मिलती है।

लड्डू गोपाल को स्नान के बाद गोपी चंदन का तिलक जरूर लगाएं।

लड्डू गोपाल को जितना हो सके सूती कपड़े पहनाएं उन्हें ज्यादा भारी और हैवी काम वाले कपड़े न पहनाएं।

लड्डू गोपाल को ताजे फूलों की माला भी पहनाएं। साथ ही उन्हें ज्यादा आभूषण न पहनाएं। लड्डू गोपाल जी को गर्म कपड़े न पहनाएं।

गर्मियों में कैसे हो लड्डू गोपाल जी का भोजन

गर्मियों में लड्डू गोपाल जी को सुबह और शाम के दोनों ही समय ठंडा दूध का भोग लगाएं।

लड्डू गोपाल को मौसमी फल और हल्के मिर्च मसालों वाले व्यंजन का ही भोग लगाएं।

लड्डू गोपाल जी को मीठी और ठंडे पदार्थ जैसे लस्सी, नींबू पानी आदि का सेवन कराते रहें। जो भी भोजन सामग्री आप लड्डू गोपाल को अर्पित करें उसमें तुलसी दल जरुर डालें। इस दौरान ठंडे पानी ही लड्डू गोपाल जी को दें और समय समय पर पानी को बदलते भी रहें।

नौतपा में सेवा के दौरान रखें इन बातों का ख्याल

नौतपा के दौरान कुछ विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए। इस समय लड्डू गोपाल को बिल्कुल भी भारी कढ़ाई वाले कपड़े न पहनाएं।

उनके आसपास का वातावरण ठंडा बनाकर रखें। संभव हो सके तो एक छोटी से कुटिया उनके लिए बनाएं और उन्हें कुटिया में विराजमान करें।

लड्डू गोपाल को ऐसे स्थान पर न बैठाएं जहां सीधी धूप आती हो।

दीवारों की सीलन छीन सकती है आपका सुख और चैन

घरों में दीवारों पर सीलन का दिखना आम बात है। अकसर लोग इसे छोटी समस्या समझ कर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे वास्तु दोष का गंभीर कारण माना जाता है। वास्तु एक्सपर्ट कहते हैं कि यह समस्या आपके घर की दीवारों को कमजोर करने के साथ-साथ आपके परिवार के सुख-चैन भी छीन सकती है। घर में सीलन और नमी नकारात्मक ऊर्जा का सबसे बड़ा कारण होती है। इसके कारण परिवार के सदस्यों को मानसिक, शारीरिक समस्याओं के साथ व्यवसाय और करियर में भी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। चलिए वास्तु एक्सपर्ट मान्या से जानते है कि सीलन और नमी के कारण उत्पन्न वास्तु दोष को घर से कैसे दूर करें।

सीलन का स्वास्थ्य पर असर वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, सीलन और नमी की वजह से दीवारों पर जमी फंगस घर की हवा को जहरीली बना देती है, जिसका सीधा असर आपके शरीर पर पड़ता है। इसके कारण फेफड़ों में संक्रमण, सांस लेने में परेशानी, अस्थमा समेत कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसके साथ ही घर में लगातार सीलन रहने से चिड़चिड़ापन और तनाव भी बढ़ता है। ऐसे में आप हर वक्त थके हुए महसूस करते हैं और बेचैन रहते हैं।

अलग-अलग दिशाओं में सीलन का प्रभाव वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि जिस दिशा की दीवार पर सीलन आती है, उस दिशा से जुड़ी चीजें प्रभावित होने लगती हैं। सीलन का घर के सदस्यों के स्वास्थ्य, मानसिक शांति और आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है।

उत्तर दिशाः अगर उत्तर दिशा की दीवार पर सीलन है तो व्यापार में नए अवसर आना बंद हो जाते हैं और बनी-बनाई हुई डील भी हाथ से निकल जाती है।

दक्षिण-पश्चिम दिशाः वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा को वित्तीय स्थिरता, आय और विकास का प्रमुख स्थान माना जाता है। अगर इस दिशा में सीलन है, तो पैसा पानी की तरह बहने लगता है। इसके साथ ही, परिवारिक रिश्तों में दरार आने लगती है और पति-पत्नी के बीच झगड़े बढ़ते हैं।

दक्षिण-दक्षिण-पश्चिमः घर की इस दिशा को डिस्पोजल की दिशा माना जाता है। इस दिशा में नमी या रिसाव होने से घर के सदस्यों की ऊर्जा खत्म होने लगती है। अनावश्यक खर्चे बढ़ते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं की संभावना कई गुणा बढ़ जाती है।

पूर्व दिशाः वास्तु गुरु मान्य के अनुसार, घर की पूर्व दिशा की दीवार में नमी होने से समाज में नाम और प्रसिद्धि पर असर पड़ता है। लोगों के साथ आपके रिश्ते खराब होने लगते हैं और पिता-पुत्र के रिश्ते में भी तनाव आता है।

पश्चिम दिशाः घर की पश्चिम में मौजूद सीलन आपका लाभ को रोकने का काम करती है। आप जितनी भी मेहनत कर लें, आपको सही नतीजा नहीं मिलता।

सीलन की वजह से घर से वास्तु दोष दूर करने के आसान उपाय

वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, दीवारों पर सीलन की मौजूदगी घर में धन के प्रवाह को रोकने का काम करती है। ऐसे में कुछ आसान वास्तु उपायों की मदद से आप सीलन और नमी के कारण उत्पन्न वास्तु दोष को दूर कर सकते हैं।

कपूर का उपायः घर के जिस कोने में सीलन हो सबसे पहले वहां की सफाई करें और वहां एक कटोरी में कपूर रख दें। ये नकारात्मक ऊर्जा और बदबू दोनों को खत्म करती है।

सेंधा नमक का पोछाः हफ्ते में दो या तीन बार पानी में थोड़ा सेंधा नमक मिलाकर पोंछा लगाएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा द्वार होती है। गुरुवार के दिन पोछा लगाने से बचें।

घर में सूरज की रोशनीः कोशिश करें की सीलन वाले कमरे में सूरज की रोशनी जरूर पड़े। सूर्य की किरणें वास्तु दोष को प्राकृतिक तरीके से ठीक करने का काम करती हैं।

घर में टपकता हुआ नलः अगर दीवार के अंदर कोई पाइप लीक हो रही है तो उसे तुरंत ठीक करवाएं। वास्तु में बहता हुआ पानी या टपकता हुआ नल आर्थिक नुकसान का सबसे बड़ा कारण माना जाता है।

आज का राशिफलः मेष और वृषभ की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत, खर्चों पर दें ध्यान

मेष राशि दूसरे भाव (धन और वाणी का क्षेत्र) में सूर्यदेव और बुधदेव की उपस्थिति आपकी आय को मजबूत बनाए रखेगी। आप धन के प्रबंधन में काफी कुशल रहेंगे। राहु आपके मित्रों के माध्यम से धन लाभ के संकेत दे रहे हैं। ध्यान रहे, बारहवें भाव में शनिदेव की उपस्थिति के कारण किसी को भी बिना सोचे-समझे पैसा उधार न दें।

वृषभ राशि आपके दूसरे भाव (धन और वाणी का क्षेत्र) में शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव की कृपा से आज आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी दिख रही है। आपकी नियमित आय सुरक्षित रहेगी। दीर्घकालिक निवेश आपको शुभ फल देंगे। शाम के समय स्वास्थ्य या छोटे-मोटे मेडिकल चेकअप पर अत्यधिक खर्च करने से बचें।

मिथुन राशि आज आपको पहले के किए गए प्रयासों से धन लाभ मिलने की अच्छी संभावना बनी हुई है। यात्रा या स्वास्थ्य पर कुछ धन खर्च हो सकता है। आपको कमाई के कुछ नए अवसर भी प्राप्त होंगे। शाम का समय अपने बजट पर विचार करने और नई आर्थिक योजनाएं बनाने के लिए उत्तम है।

कर्क राशि आर्थिक दृष्टिकोण से सूर्यदेव और बुधदेव की स्थिति अनुकूल बनी हुई है। आपको निरंतर आय प्राप्त होती रहेगी और मित्रों का सहयोग मिलेगा। हालांकि, आपका मन घर या परिवार पर धन खर्च करने का हो सकता है। अपनी जेब का ख्याल रखें और फिजूलखर्ची से बचें।

सिंह राशि आर्थिक मामलों के लिए आज का दिन काफी शानदार रहने वाला है। सिंह राशि के जातक अपने बजट को बहुत अच्छी तरह मेंटेन कर पाएंगे और निवेशों पर नजर रखेंगे। दोस्तों के माध्यम से धन लाभ होने की पूरी संभावना है, जिससे पैसों का फ्लो अच्छा रहेगा। बस ध्यान रखें कि शाम के वक्त फिजूलखर्ची पर थोड़ा नियंत्रण रखें।

कन्या राशि दिन का अंत होते-होते आप आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे। सुबह के समय लग सकता है कि आपके प्रयास आगे नहीं बढ़ रहे हैं। जैसे ही चंद्रदेव आपके दूसरे भाव (धन का क्षेत्र) में प्रवेश करेंगे, आप बजट और धन प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बचत पर चर्चा करना आपके लिए हितकर रहेगा।

तुला राशि दिन के समय आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। ग्रहों की स्थिति अचानक कुछ अनचाहे खर्च करवा सकती है। अच्छी बात यह है कि शुभ ग्रह आपकी समग्र वित्तीय स्थिति की रक्षा कर रहे हैं। शाम के समय आप धन से जुड़े महत्वपूर्ण और सटीक निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

वृश्चिक राशि धन के मामले में सुबह का समय लाभ कमाने या कोई पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बेहतरीन है। शाम के समय आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी। गैर-जरूरी चीजों पर धन खर्च करने से बचें। रात के समय अपने क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल न करना ही आपके लिए समझदारी होगी।

धनु राशि आर्थिक रूप से दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है। सुबह के समय कुछ खर्च सामने आ सकते हैं। शाम होते-होते स्थितियों में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। तुला राशि में चंद्रदेव आपके ग्यारहवें भाव (लाभ का क्षेत्र) में गोचर करेंगे, जिससे आपको आकस्मिक धन लाभ या परिवार से सहयोग मिल सकता है।

मकर राशि आज आपको अपने धन के लिए एक सटीक योजना बनानी होगी। दूसरे भाव में बैठे राहु आपको पैसों के मामले में कुछ नए और जोखिम भरे प्रयोग करने के लिए उकसा सकते हैं। बेहतर होगा कि आप शाम तक का इंतजार करें। जब चंद्रदेव दसवें भाव में आएंगे, तब स्थितियां अधिक स्थिर और अनुकूल हो जाएंगी।

कुंभ राशि सुबह के समय आपको धन के मामलों में अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। इस दौरान कोई भी बड़ा वित्तीय निर्णय न लें और न ही बड़ा खर्च करें। शाम होते ही आपकी मानसिक स्पष्टता बढ़ेगी। आप अपने धन और निवेश को लेकर सही और उपयुक्त निर्णय लेने में पूरी तरह सफल रहेंगे।

मीन राशि सुबह का समय नए सौदे करने और कांट्रैक्ट साइन करने के लिए उत्तम है। शाम के समय आपको अपने धन को लेकर थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। जल्दबाजी में आकर कोई भी आर्थिक फैसला न करें और न ही बड़ा खर्च करें। अपने बजट को नियंत्रण में रखना इस समय बेहद जरूरी है।

किचन में मंदिर रखना पैदा करता है भयंकर वास्तु दोष, घर से चली जाती है बरकत

हर भारतीय घर में मंदिर और किचन विशेष महत्व माना जाता है। वास्तु शास्त्र में किचन और मंदिर का विशेष स्थान माना जाता है। किचन को मां अन्नपूर्णा का स्थान माना जात है और मंदिर में देवी-देवताओं का वास होता है, जिससे घर में सकारात्मक और दिव्य ऊर्जा का संचार रहता है। शहरों के घरों में जगह कम होती है, इसलिए लोग किचन में ही मंदिर का स्थान बना लेते हैं। लेकिन क्या वास्तु शास्त्र में किचन में मंदिर होना शुभ होता है अशुभ? तो इसका उत्तर आपको इस लेख में मिलेगा। इसी के साथ ही कई लोगों के मन में यह सवाल जरुर आता है कि किचन में मंदिर क्यों नहीं बना सकते हैं। आइए आपको बताते हैं वास्तु शास्त्र में इसको लेकर क्या कहा है? झूठे बर्तन- गौरतलब है कि किचन में झूठे बर्तन रखे जाते हैं और लेकिन मंदिर एक पवित्र स्थान होता है। किचन में झूठे बर्तन पड़े रहने से वहां की ऊर्जा प्राभवित होती है और भगवान का अपमान हो सकता है। इसलिए भूलकर भी किचन और मंदिर एक साथ न बनाएं। तामसिक भोजन- अक्सर कई घरों में लहसुन-प्याज और मांस का सेवन किया जाता है। जब किचन में इस तरह का भोजन बनता है, तो किचन में मंदिर होने से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है, जो कि

परिवार में नेगटिव प्रभाव डाल सकती हैं। कूडें का डब्बा- किचन में कूड़े डब्बा जरुर रखा होता है, जिसमे किचन के कचरे का फेंका जाता है। ऐसे में किचन में मंदिर होना सही नहीं होता है। मंदिर के लिए कौन-सी दिशा है शुभ? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का मंदिर ईशान-कोण में होना शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार, यह दिशा देवगुरु बृहस्पति और भगवान शिव की है। इसके अलावा मंदिर का निर्माण पूर्व या उत्तर दिशा में होना भी शुभ होता है। ईशान-कोण में दिशा में साधना करने से साधक को मानसिक शांति प्राप्त होती है। इन बातों का ध्यान रखें घर में भूलकर भी मंदिर सीढ़ियों के नीचे न बनाएं। लोग जब सीढ़ियों से ऊपर जाएंगे, तो नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होगी। ध्यान रखें कि मंदिर को कभी भी बाथरुम के सामने या साइड में न बनवाएं। भूलकर भी मंदिर के ऊपर टॉयेलट न बनवाएं। कभी भी मंदिर को बैडरुम में नहीं रखना चाहिए। यह शुभ नहीं माना जाता है। मंदिर बैडरुम में ऐसा भी न रखा हो, जब आप रात को सोते हैं, तो भगवान के तरफ पैर जाएं। इस बात का ध्यान रखें कि मंदिर को कभी भी बैसमेंट नहीं बनवना चाहिए। क्योंकि यह शुभ नहीं होता है।

बरसात से पहले नगर पालिका सक्रिय वार्ड 1 और वार्ड 2 में लाखों की लागत से आरसीसी नालियों का होगा निर्माण

मठारदेव महाराज वार्ड और डॉ.राधाकृष्णन वार्ड में भूमिपूजन सम्पन्न,जलभराव और गंदगी की समस्या से मिलेगी राहत

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगर पालिका परिषद सारनी द्वारा मानसून पूर्व शहर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं।इसी क्रम में मंगलवार को नगर पालिका क्षेत्र के मठारदेव महाराज वार्ड क्रमांक 1 एवं डॉ. राधाकृष्णन वार्ड क्रमांक 2 में आरसीसी नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष,पार्षदों, एल्डरमैन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।नगर पालिका द्वारा शुरू किए जा रहे इस निर्माण कार्य से वर्षों से चली आ रही जलभराव और गंदे पानी की समस्या से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।बरसात के दिनों में इन वार्डों की सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता था। नालियों के निर्माण के बाद बारिश का पानी आसानी से निकासी मार्ग तक पहुंचेगा और सड़कों पर पानी नहीं रुकेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी.के.मेश्राम ने जानकारी देते हुए बताया कि मठारदेव महाराज वार्ड क्रमांक 1 में लगभग 8.55 लाख रुपये तथा डॉ. राधाकृष्णन वार्ड क्रमांक 2 में लगभग 13.93 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। नाली निर्माण होने से जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी, जिससे नागरिकों को गंदगी, मच्छरों और जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।कार्यक्रम में पार्षद छाया अतुलकर,भीम बहादुर थापा, एल्डरमैन विनय मदने, भाजपा मंडल अध्यक्ष गोलू राजपूत,बिट्टू सरदार,राजू साहू,राजकुमार नागले, नारायण खातरकर,राहुल कापसे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। भूमिपूजन के दौरान क्षेत्रवासियों ने भी नाली निर्माण कार्य को लेकर खुशी जाहिर करते हुए नगर पालिका के प्रयासों की सराहना की।स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से बारिश के मौसम में घरों और सड़कों के आसपास पानी भरने की समस्या बनी रहती थी,जिससे संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ जाता था। अब आरसीसी नालियों के निर्माण से क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों को राहत मिलेगी।

कलेक्टर के ग्रामीण विश्राम का असर एक साल बाद सुखाढाना की नल-जल योजना में बहा पानी

डॉ.सौरभ संजय सोनवणे की जमीनी पहल लाई रंग, ग्रामीणों ने कहा अब शासन गांव तक पहुंचा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

जिले में कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि विश्राम,जनसंवाद और मौके पर समस्याओं के निराकरण की पहल अब धरातल पर असर दिखाने लगी है।इसका ताजा उदाहरण ग्राम पंचायत सुखाढाना में देखने को मिला,जहां लगभग एक वर्ष पहले नल-जल योजना के तहत घर-घर कनेक्शन तो दे दिए गए थे,लेकिन जल स्रोत के अभाव में योजना केवल कागजों तक सीमित होकर रह गई थी।बताया जा रहा है कि 23 मई से ग्राम पंचायत सुखाढाना की नल-जल योजना में नियमित रूप से पानी सप्लाई शुरू हो गई है। लंबे समय से पानी की समस्या झेल रहे ग्रामीणों के चेहरे पर अब राहत और संतोष दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जैसे ही कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे का ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि विश्राम अभियान शुरू हुआ,वैसे ही पंचायत स्तर पर वर्षों से लंबित व्यवस्थाएं तेजी से सुधरने लगीं।विशेष बात यह रही कि बाकुड पंचायत में कलेक्टर के रात्रि विश्राम और अधिकारियों के साथ मैदानी निरीक्षण के बाद जल संकट से जूझ रही पंचायतों में ट्यूबवेल खनन और जल स्रोत विकसित करने की प्रक्रिया तेज हुई।जिन पंचायतों में पानी की समस्या बनी हुई थी,वहां अचानक व्यवस्थाएं सक्रिय हुईं और कई स्थानों पर ट्यूबवेल से पर्याप्त पानी मिलने लगा। सुखाढाना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण बनकर सामने आया है।ग्रामीणों ने बताया कि पहले नल लगे थे, पाइपलाइन बिछी थी,लेकिन पानी नहीं आने से योजना का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा था।अब घरों तक पानी पहुंचने लगा है,जिससे महिलाओं और ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाने की परेशानी से राहत मिली है।

राज्य और केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे पहुंचकर समस्याओं का समाधान करने की यह पहल जिलेभर में चर्चा का विषय बनी हुई है।कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे लगातार आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों में रात्रि विश्राम कर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। यही वजह है कि पंचायत स्तर पर जवाबदेही बढ़ी है और विकास कार्यों में गति दिखाई देने लगी है।

सुखाढाना के ग्रामीणों ने नल-जल योजना सुचारु रूप से शुरू होने पर कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन पहली बार गांव की समस्याओं को गंभीरता से सुनता और उनका समाधान करता नजर आ रहा है। इसी तरह का माहौल आगर जिले के 1339 गांव और 554 पंचायत में बना रहा तो निश्चित तौर से इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

नौतपा का प्रचंड प्रहार बैतूल में 44 डिग्री के पार पहुंचा पारा,सूर्यदेव की तपिश से धरती तवे सी दहकी

हरा-भरा बैतूल भी गर्मी से बेहाल,लेकिन नौतपा की अग्नि वर्षा प्रकृति और मानव जीवन के लिए मानी जाती है बेहद लाभकारी

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

25 मई से शुरू हुए नौतपा ने अपने पहले ही चरण में लोगों को भीषण गर्मी का अहसास करा दिया है।वन संपदा और प्राकृतिक हरियाली के लिए पहचान रखने वाला बैतूल जिला भी इस बार सूर्यदेव के प्रचंड तेवरों से अछूता नहीं रहा। जिले का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने लगा है।दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा दिखाई दे रहा है और लोग घरों में कैद होने को मजबूर हैं।मान्यता है कि नौतपा के दौरान सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है और लगातार नौ दिनों तक धरती पर तीव्र गर्मी पड़ती है।इस बार भी सूर्यदेव की तपिश ने मई महीने के अंतिम दिनों को और अधिक झुलसाने वाला बना दिया है।मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले कुछ दिनों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है।हालांकि नौतपा की तेज गर्मी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है,लेकिन भारतीय कृषि और प्राकृतिक चक्र में इसका विशेष महत्व माना गया है।ग्रामीण अंचलों में कहा जाता है कि जितना तपे नौतपा,उतनी अच्छी बरसात।वैज्ञानिक दृष्टि से भी तेज गर्मी समुद्र और जल स्रोतों से अधिक वाष्पीकरण कराती है,जिससे मानसून मजबूत बनने की संभावना बढ़ती है।नौतपा के कई प्राकृतिक और सामाजिक लाभ भी बताए जाते हैं।तेज धूप और गर्मी से वातावरण में मौजूद कई प्रकार के बैक्टीरिया और कीटाणु नष्ट होते हैं।खेतों की मिट्टी में छिपे हानिकारक कीड़े समाप्त होने लगते हैं,जिससे फसलों को फायदा मिलता है।आम,जामुन और अन्य मौसमी फलों के पकने की प्रक्रिया भी इसी गर्मी में तेज होती है।ग्रामीण बुजुर्गों का कहना है कि यदि नौतपा पूरी तरह तप जाए तो आने वाले वर्ष में अच्छी वर्षा,बेहतर फसल और जल स्रोतों में पर्याप्त पानी देखने को मिलता है।यही कारण है कि भीषण गर्मी के बाद किसान वर्ग नौतपा को प्रकृति का आवश्यक संतुलन मानता है। फिलहाल बैतूल जिले में दोपहर के समय लू जैसे हालात बने हुए हैं। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को अत्यधिक धूप में बाहर निकलने से बचने,पर्याप्त पानी पीने और सतर्क रहने की सलाह दी है।नौतपा की यह तपिश आने वाले मानसून की भूमिका तैयार कर रही है,लेकिन तब तक लोगों को गर्म हवाओं और तपते सूरज का सामना करना पड़ेगा।

मध्यप्रदेश में वर्षों से बंद हैं अहाते फिर भी सारनी में अवैध तैयारी पर बवाल

भाजपा पार्षद छाया अतुलकर ने दी आंदोलन की चेतावनी,शराब दुकान के पीछे अवैध रूप से अहाता संचालित करने की तैयारी का आरोप

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

प्रदेश सरकार द्वारा संपूर्ण मध्यप्रदेश में वर्षों पहले शराब दुकानों से जुड़े अहातों (बैठकर शराब सेवन करने की व्यवस्था) पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने के बाद सारनी के मठारदेव महाराज वार्ड क्रमांक एक मे स्थित शासकीय कंपोजिट शराब दुकान के पीछे कथित रूप से अवैध अहाता संचालित किए जाने की तैयारी से क्षेत्र में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं।मामले को लेकर वार्ड की भाजपा पार्षद छाया अतुलकर ने सारनी थाना प्रभारी सहित भाजपा पदाधिकारियों को शिकायत सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।पार्षद छाया अतुलकर ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि शराब दुकान के पीछे वाहन पार्किंग के नाम पर नीले रंग के कनात लगाकर चारों तरफ कमरेनुमा ढांचा तैयार किया गया है,जहां मंगलवार शाम से अवैध रूप से

अहाता शुरू करने की तैयारी की गई।उनका आरोप है कि यदि शराब ठेकेदार द्वारा यहां बैठकर शराब सेवन की व्यवस्था प्रारंभ की जाती है तो वार्डवासियों के साथ मिलकर शराब दुकान के सामने धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्षों पहले ही प्रदेशभर में शराब दुकानों से संचालित होने वाले अहातों पर रोक लगा दी थी,ताकि सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी,विवाद और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सके।इसके बाद यदि सारनी में नियमों को दरकिनार कर अवैध अहाता शुरू किया जाता है तो यह शासन के निर्देशों की खुली अवहेलना होगी।

भाजपा पार्षद ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रशासन यदि समय रहते कार्रवाई नहीं करता है तो इस मुद्दे को जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा। स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि रिहायशी क्षेत्र के पास इस प्रकार की गतिविधियां शुरू होने से महिलाओं,बच्चों और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। फिलहाल पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और लोगों की नजर अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है।

महंगाई का तूफ़ान-ए-आतिश महंगाई डायन से आवाम की बगावत तक अब सड़कों पर उतरने की पुकार

पेट्रोल 115 पार डीजल 102 के ऊपर ज़ुल्म-ए-महंगाई से कराह रही आवाम,सोशल मीडिया की कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब धरातल पर जन आंदोलन की मांग तेज

प्रमोद गुप्ता । सारनी

देश में लगातार बढ़ रही महंगाई अब केवल आर्थिक समस्या नहीं रह गई, बल्कि यह आम आदमी की रसोई,जेब और जीवन पर आफ़त-ए-बेपनाह बनकर टूट रही है।पेट्रोल-डीजल से लेकर खाद्य सामग्री तक हर वस्तु के दाम आसमां-ए-क़ीमत को छूते दिखाई दे रहे हैं।ऐसे में अब समाज के बुद्धिजीवी, सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोग और आम नागरिक यह महसूस करने लगे हैं कि केवल सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर करने से हालात नहीं बदलेंगे,बल्कि जन-इंकलाब की आवश्यकता है।बीते कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर व्यंग्य और कटाक्ष के माध्यम से सत्ता को घेरने वाली कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह नेताओं की नींद-ओ-सुकून हराम किया, उसी तर्ज पर अब धरातल पर भी शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावशाली आंदोलन खड़ा करने की मांग उठने लगी है। लोगों का कहना है कि यदि महंगाई पर अंकुश नहीं लगाया गया तो गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के सामने फ़ाक़ाकशी जैसे हालात निर्मित हो सकते हैं।

इन दिनों ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वर्ष 2010 की चर्चित फिल्म पीपली लाइव का गीत सखी सैंया तो खूब ही कमात है,महंगाई डायन खाए जात है और वर्ष 2012 में आई चक्रव्यूह का गीत भैया देख लिया बहुत तेरी सरदारी रे, अब तो हमारी बारी रे फिर से लोगों की जुबान पर तैरता नजर आ रहा है। कारण साफ है।15 से 25 मई के बीच पेट्रोल में लगभग 8.50 रुपए और डीजल में 7.60 रुपए की वृद्धि ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। पेट्रोल 115 रुपए प्रति लीटर और डीजल 102 रुपए प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर चुका है।विद्युत नगरी सारनी के सेवानिवृत्त कर्मचारी ज्ञानेश्वर पाटिल का कहना है कि वर्ष 2014 के पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगभग 165 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, शतब भी पेट्रोल 55 रुपए और डीजल 46 रुपए लीटर मिल रहा था।लेकिन वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत कम होने के बाद पेट्रोल और डीजल के दाम हद-ए-इंतिहा पार कर चुके हैं। उनका कहना है कि ईंधन की बढ़ती कीमतों का सीधा असर परिवहन,खाद्य सामग्री,कृषि उपकरण और रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ रहा है।उन्होंने चिंता जताई कि खाद्य सामग्री की महंगाई दर भी 42 प्रतिशत के पार पहुंचती दिखाई दे रही है। दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार चलाने वाले गरीबों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय होती जा रही है। रोज कमाओ और रोज खाओ वाले परिवार अब दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं,लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठी सरकारों को यह चीख-ओ-पुकार सुनाई नहीं दे रही।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि अब समय आ गया है जब महंगाई के खिलाफ आंदोलन को केवल राजनीतिक मंच तक सीमित न रखकर सामाजिक सरोकारों से जोड़ा जाए। युवाओं,मजदूरों,किसानों, महिलाओं और मध्यमवर्गीय परिवारों को साथ लेकर आवाज़-ए-इंकलाब बुलंद की जाए,ताकि सरकारें जनता की पीड़ा को महसूस कर सकें। लोगों का कहना है कि यदि सोशल मीडिया की व्यंग्यात्मक मुहिम सत्ता को असहज कर सकती है,तो संगठित जन आंदोलन निश्चित रूप से व्यवस्था को सोचने पर मजबूर कर सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949